तापमान
अधिकतम 20.0 डिग्री
न्यूनतम 6.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 28 दिसंबर 2025

11 वीर गुरु पुत्रों की शहादत को किया नमन

12 रोडवेज-स्कूल बस समेत चार वाहन भिड़े, दर्जनभर घायल

इस साल लार्ज कैप फंड रहे विनर लेकिन स्मॉल कैप ने किया निराश

■ लार्ज कैप ने निवेशकों को बेहतर सुरक्षा दी ■ रिटर्न के मामले में भी बाकी श्रेणी को पीछे छोड़ा ■ साल 2025 में बाजार में रहा उतार-चढ़ाव

हलचल @2025

बिजनेस डेस्क

साल 2025 ने म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक साफ संदेश दिया है कि स्थिरता ही असली ताकत है। सालभर बाजार में उतार-चढ़ाव और सेक्टोरल रोटेशन के बीच लार्ज कैप म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को न सिर्फ बेहतर सुरक्षा दी, बल्कि रिटर्न के मामले में भी बाकी कैटेगरी को पीछे छोड़ दिया। जहां लार्ज कैप फंड्स ने एक साल में औसतन 8.15% का रिटर्न दिया, वहीं स्मॉल कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे बड़ी निराशा साबित हुए। यह साफ करता है कि 2025 में क्वालिटी, साइज और बैलेंस शीट की मजबूती हर मायने में हाई-रिस्क कैटेगरी पर भारी है। कैटेगरी वाइज देखें तो लार्ड एंड मिड कैप फंड, मल्टी कैप और मिडकैप फंड्स 2–3% के दायरे में ही सिमट गए, जबकि टेक्नोलॉजी सेक्टर फंड्स में 6.79% की गिरावट ने निवेशकों की उम्मीदों को झटका दिया। इसके उलट बैंकिंग और ऑटो-ट्रांसपोर्टेशन जैसे सेक्टोरल फंड्स ने 17% से ज्यादा का दमदार रिटर्न दिया, जिससे यह साफ हुआ कि 2025 स्टॉक-सेलेक्टिव और सेक्टर-ड्रिवन साल रहा। लार्ज कैप स्पेस में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, मिराए एसेट, मोतीलाल ओसवाल और महिंद्रा मैनुलिफ़ जैसे फंड्स ने 10–11% के आसपास रिटर्न देकर साल का अंत मजबूत नोट पर किया। कुल मिलाकर, 2025 का साल यह सबक देकर गया कि अनिश्चित बाजारों में लार्ज कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद साथी साबित होते हैं।

लार्ज कैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से बड़े मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करता है, जो आमतौर पर देश की टॉप 100 कंपनियां होती हैं। ये कंपनियां अच्छी तरह से स्थापित, वित्तीय रूप से मजबूत और अक्सर अपने क्षेत्रों में बाजार के नेता होती हैं। लार्ज कैप फंड्स को स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाना जाता है, जो उन्हें रूढ़िवादी निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प बनाता है।

लार्ज कैप फंड के फायदे

- **स्थिरता:** लार्ज कैप कंपनियां बाजार में उतार-चढ़ाव के प्रति कम संवेदनशील होती हैं।
- **सुसंगत प्रदर्शन:** ये कंपनियां लंबे समय में स्थिर रिटर्न प्रदान करती हैं।
- **निम्न जोखिम:** लार्ज कैप फंड्स में निवेश करने से जोखिम कम होता है।
- **डिविडेंड आय:** कई लार्ज कैप कंपनियां नियमित डिविडेंड वितरित करती हैं।
- **विविधीकरण:** लार्ज कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।

फ्लेक्सी-कैप फंड की पॉपुलैरिटी बढ़ी

फ्लेक्सी-कैप फंड्स का औसत रिटर्न भले ही कुछ कमजोर दिख रहा है, लेकिन इसकी पॉपुलैरिटी बढ़ी है। फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12 महीनों में फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सभी इक्विटी कैटेगरी में सबसे ज्यादा निवेश आया है। पिछले 12 महीनों में इन फंड्स में करीब 75,700 करोड़ का नेट निवेश दर्ज किया गया। इस कैटेगरी में निवेशकों ने जो खरीदा, उसमें बने रहे। यह दिखाता है कि निवेशक अब सिर्फ बाजार से जुड़े विकल्पों में ज्यादा पैसा नहीं लगा रहे, बल्कि ऐसे फंड भी चुन रहे हैं जो डायवर्सिफिकेशन और लचीलापन दोनों देते हैं। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड बैंक डिपॉजिट पर बढ़त बना रहे हैं, फ्लेक्सी-कैप फंड्स आने वाले समय में लंबी अवधि में संपत्ति बनाने की इस कहानी के केंद्र में बने रह सकते हैं।

एक साल में कितना रिटर्न कैटेगरीवाइज

फंड	रिटर्न
लार्ज कैप	8.15%
लार्ज एंड मिड कैप	1.96%
फ्लेक्सी कैप	3.26%
मल्टी कैप	1.98%
मिड कैप	2.76%
स्मॉल कैप	-5.31%
वैल्यू ओरिएंटेड	5.45%
ईएलएसएस	3.52%
सेक्टोरल-आटो एंड ट्रांसपोर्ट	17.32%
सेक्टोरल-बैंकिंग	17.42%
सेक्टोरल-फार्मा	0.04%
सेक्टोरल-टेक्नोलॉजी	-6.79%
थिमैटिक	2.52%

एक साल में टॉप लार्ज कैप फंड्स ये रहे

फंड्स	रिटर्न
आईसीआईसीआई प्रू	11.50%
निप्पॉन इंडिया इंडेक्स निफ्टी-50	11.40%
मीराए एसेट	11.00%
मोतीलाल ओसवाल	10.73%
महिंद्रा मैन्युलाइफ	10.59%
बजाज फिनसर्व	10.00%

टॉप लार्ज कैप म्यूचुअल फंड

- निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड
- एसबीआई ब्लूचिप फंड
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड
- डीएसपी लार्ज कैप फंड

स्मॉल कैप फंड के फायदे

- **उच्च विकास क्षमता:** स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे उच्च रिटर्न मिल सकता है।
- **निम्न मूल्यांकन:** स्मॉल कैप कंपनियों के शेयर अक्सर कम मूल्य पर उपलब्ध होते हैं, जिससे निवेश की लागत कम होती है।
- **विविधीकरण:** स्मॉल कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है। **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** स्मॉल कैप कंपनियों में लॉन्ग-टर्म ग्रोथ की संभावना अधिक होती है।

स्मॉल कैप फंड के नुकसान

- **उच्च जोखिम :** स्मॉल कैप कंपनियों में जोखिम अधिक होता है, जिससे निवेश का मूल्य कम हो सकता है।
- **अस्थिरता :** स्मॉल कैप शेयरों की कीमतें अधिक अस्थिर होती हैं, जिससे निवेश का मूल्य तेजी से बदल सकता है।
- लिक्विडिटी : स्मॉल कैप शेयरों में लिक्विडिटी कम होती है, जिससे निवेश को बेचना मुश्किल हो सकता है।

2025 चांदी ने दिया बंपर रिटर्न

■ निवेशकों ने 100 फीसदी से ज्यादा रिटर्न लिया
■ अब मुनाफा वसूल करें या निवेश बनाए रखें
■ चांदी की बढ़त ने सभी निवेशों को पीछे छोड़ा

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

साल 2025 में सिल्वर ईटीएफ ने जबरदस्त प्रदर्शन दिया है। इस साल अब तक निवेशकों को 100 फीसदी से भी ज्यादा का रिटर्न मिल चुका है। चांदी की बढ़त ने बाकी सभी निवेशों को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में निवेशक इस उलझन में हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा वसूल लेना चाहिए (प्रॉफिट बुकिंग) या निवेश बनाए रखना चाहिए? बाजार के जानकारों की सलाह है कि अगर आपके पोर्टफोलियो में चांदी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो थोड़ा मुनाफा वसूल लेना चाहिए। अपने निवेश को संतुलित (रीबैलेंस) करने के लिए कुछ हिस्सा बेचकर वापस पुराने लक्ष्य पर आ जाना ही समझदारी है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

चांदी में आई 110-130% की भारी बढ़त के बाद मुनाफावसूली करना सही रहेगा। अपने मुनाफे का 25 से 33 फीसदी हिस्सा निकाल लें और जब बाजार गिरे तो फिर से खरीदारी करें। 5 साल के नजरिए से निवेश करना अभी भी अच्छा है। बस इमोशनल होकर फैसला न लें और अनुशासन बनाए रखें। हालांकि मांग मजबूत है। लेकिन कम समय के लिए पैसा लगाने वालों को उतार-चढ़ाव से सावधान रहना चाहिए। वे सलाह देते हैं कि जो लोग ईटीएफ के जरिए चांदी में निवेश कर रहे हैं, उन्हें तेजी आने पर कुछ मुनाफा निकाल लेना चाहिए।

कितना दिया रिटर्न?

साल 2025 में अब तक सिल्वर ईटीएफ ने औसतन 127.31% का रिटर्न दिया है। इस दौरान 21 अलग-अलग फंड्स ने 122% से लेकर 130% तक का मुनाफा कराया। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ 130.02% रिटर्न के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद एसबीआई सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने 129.46% का रिटर्न दिया। निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने 127.61% और टाटा सिल्वर ईटीएफ ने करीब 122.68% का फायदा कराया।

क्या अब देर हो गई है?

अब उतने बड़े लेवल पर पैसा लगाना शायद सही न हो जितना कुछ महीने पहले था। चांदी आपके कुल निवेश का छोटा हिस्सा (5-9%) ही होनी चाहिए। नए निवेशकों को एक साथ सारा पैसा लगाने के बजाय किश्तों (एसआईपी) में निवेश करना चाहिए। अभी देर नहीं हुई है, लेकिन एक साथ बड़ी रकम लगाने से बचें। अगर चांदी के दाम गिरकर 1,70,000 से 1,78,000 रुपये प्रति किलो के पास आएं, तो खरीदारी का अच्छा मौका होगा।

आगे क्या होगा?

जानकारों का कहना है कि अब, जबकि चांदी 2 लाख रुपये के पार है, तो 2026 के लिए अगले साल शायद 2025 जैसी धमाकेदार बढ़त न मिले। मुनाफा धीरे-धीरे होगा और बीच-बीच में कीमतें गिरेंगी भी। वहीं, निकुंज सर्राफ को उम्मीद है कि सोलर सेक्टर में बढ़ती मांग और दुनिया भर में सप्लाई की कमी की वजह से 2026 में भी चांदी की मजबूती बनी रहेगी।

क्या है सिल्वर ईटीएफ

सिल्वर ईटीएफ (एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड) एक प्रकार का निवेश साधन है जो चांदी की कीमतों पर आधारित होता है। यह एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों के साथ-साथ चलता है और निवेशकों को चांदी में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

सिल्वर ईटीएफ के फायदे

- चांदी में निवेश : सिल्वर ईटीएफ चांदी में निवेश करने का एक आसान और सुविधाजनक तरीका है।
- लिक्विडिटी : सिल्वर ईटीएफ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होते हैं, जिससे उन्हें आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है।
- निम्न लागत : सिल्वर ईटीएफ की लागत कम होती है, जिससे निवेशकों को अधिक रिटर्न मिल सकता है।
- विविधीकरण : सिल्वर ईटीएफ निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधीकरण करने में मदद करता है।

सिल्वर ईटीएफ के नुकसान

- चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव : सिल्वर ईटीएफ की कीमतें चांदी की कीमतों पर आधारित होती हैं, जो उतार-चढ़ाव के अधीन होती हैं।
- जोखिम : सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से जोखिम होता है, क्योंकि चांदी की कीमतें भविष्य में कम हो सकती हैं।
- स्टोरेज और सुरक्षा : सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से पहले निवेशकों को चांदी के स्टोरेज और सुरक्षा के बारे में विचार करना चाहिए [1][2][3]।

भारत में सिल्वर ईटीएफ

- कोटक सिल्वर ईटीएफ
- एसबीआई सिल्वर ईटीएफ
- एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल सिल्वर ईटीएफ
- यूटीआई सिल्वर ईटीएफ

छोटे व्यापारियों के लिए बेहद जरूरी है क्लाइमेट इंश्योरेंस

जलवायु परिवर्तन अब सिर्फ भविष्य की चेतावनी नहीं रहा, बल्कि यह छोटे व्यापारियों और दुकानदारों की रोजमर्रा की जिंदगी को सीधे प्रभावित कर रहा है। बाढ़, भीषण गर्मी, भारी बारिश और चक्रवात जैसी घटनाएं पहले के मुकाबले अधिक आ रही है और ज्यादा तीव्रता से हो रही हैं। इसका सबसे बड़ा असर देश के छोटे व्यापारियों और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) पर पड़ रहा है, जिनकी आमदनी रोज के कारोबार पर टिकी होती है। जानकारों का कहना है कि अधिकतर छोटे व्यापारी सीमित बचत के साथ काम करते हैं। ऐसे में अगर किसी प्राकृतिक आपदा की वजह से दुकान या कारखाना कुछ दिनों के लिए भी बंद हो जाए, तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। कई बार कुछ दिन का नुकसान ही महीनों की कमाई पर भारी पड़ जाता है।

प्राकृतिक आपदाओं से बचाव

"क्लाइमेट इंश्योरेंस छोटे व्यापारियों के लिए एक ऐसा सुरक्षा साधन है, जो उन्हें प्राकृतिक आपदाओं से उबरने में मदद करता है। इस बीमा के तहत बाढ़, तेज बारिश, गर्मी या चक्रवात जैसी घटनाओं से दुकान, गोदाम, मशीनरी और सामान को हुए नुकसान को कवर किया जा सकता है। इतना ही नहीं, अगर किसी आपदा की वजह से कारोबार अस्थायी रूप से बंद करना पड़े और आमदनी रुक जाए, तो क्लाइमेट इंश्योरेंस से आय के नुकसान की भरपाई भी की जा सकती है।" इस तरह का बीमा छोटे व्यापारियों को जल्दी दोबारा कारोबार शुरू करने में मदद करता है। बिना बीमा के कई व्यापारी मरम्मत या दोबारा स्टॉक खरीदने के लिए पैसों का इंतजाम नहीं कर पाते, जिससे दुकान लंबे समय तक बंद रहती है। इसका नतीजा यह होता है कि ग्राहक दूसरी जगह चले जाते हैं और कारोबार को दोबारा खड़ा करना मुश्किल हो जाता है। कई मामलों में तो छोटे व्यवसाय पूरी तरह से उबर ही नहीं पाते।

पैरामीट्रिक इंश्योरेंस

आज के समय में क्लाइमेट इंश्योरेंस के ऐसे समाधान भी मौजूद हैं, जो खास तौर पर छोटे व्यापारियों और एमएसएमई के लिए बनाए गए हैं। इनमें से एक है पैरामीट्रिक इंश्योरेंस। यह पारंपरिक बीमा से अलग होता है, क्योंकि इसमें नुकसान का लंबा आकलन करने की जरूरत नहीं पड़ती। "पैरामीट्रिक इंश्योरेंस में पहले से तय मौसम से जुड़े संकेतकों, जैसे तय सीमा से ज्यादा बारिश या तापमान बढ़ने पर, अपने आप भुगतान सक्रिय हो जाता है। इससे बीमा राशि जल्दी मिल जाती है। यह व्यवस्था एमएसएमई के लिए इसलिए फायदेमंद है, क्योंकि इसमें पुराने नुकसान के विस्तृत रिकॉर्ड की जरूरत नहीं होती, इसे समझना आसान होता है और आपदा के समय तुरंत पैसा मिल जाता है।" जब किसी आपदा के तुरंत बाद पैसे मिल जाते हैं, तो व्यापारी जल्दी मरम्मत करा सकते हैं, नया सामान ला सकते हैं और दोबारा काम शुरू कर सकते हैं। इससे उनका आत्मविश्वास भी बना रहता है कि मुश्किल हालात में भी वे फिर से खड़े हो सकते हैं।

सुरक्षा नहीं, बल्कि जरूरत बनाता क्लाइमेट इंश्योरेंस

क्लाइमेट इंश्योरेंस को अब सिर्फ एक अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि छोटे व्यापारियों के लिए एक बुनियादी सुरक्षा उपकरण के रूप में देखा जाना चाहिए। यह न सिर्फ उनकी आमदनी की रक्षा करता है, बल्कि आपदा के बाद जल्दी संभलने में भी मदद करता है। अचानक आने वाले जलवायु से जुड़े झटकों के बावजूद कारोबार को जारी रखने में यह अहम भूमिका निभाता है। बदलते मौसम और बढ़ती अनिश्चितताओं के दौर में छोटे व्यापारियों और दुकानदारों के लिए क्लाइमेट इंश्योरेंस एक ऐसा सहारा बन सकता है, जो मुश्किल समय में उन्हें पूरी तरह टूटने से बचाए और फिर से आगे बढ़ने का भरोसा दे।

वर्ष 2025 का साल भारत के टैक्स सिस्टम के लिए काफी अहम रहा। सरकार ने जीएसटी में बड़ी कटौती की, इनकम टैक्स में छूट की लिमिट बढ़ाई गई और लोगों के हाथ में ज्यादा पैसे रहने देना का इरादा दिखाया। इसका मकसद था कि मुश्किल वैश्विक हालात में घरेलू खपत बढ़े और अर्थव्यवस्था को सहारा मिले। विदेशी टैरिफ की अनिश्चितता के बीच ये बदलाव घरेलू मांग को मजबूत करने पर फोकस करते हैं। अब नजर कस्टम्स ड्यूटी को सरल बनाने और रेट कम करने पर है।

जीएसटी स्लैब और इनकम टैक्स में हुए बड़े बदलाव, मिडिल क्लास को राहत

कम स्लैब और चीजें सस्ती

साल की सबसे बड़ी खबर रही जीएसटी में भारी बदलाव। 22 सितंबर से करीब 375 सामानों और सर्विसेज पर टैक्स रेट कम कर दिए गए। रोजमर्रा की चीजों पर बोझ कम हुआ और लंबे समय से चली आ रही इनवर्टेड ड्यूटी की समस्या भी काफी हद तक सुलझी। पहले जीएसटी में 5%, 12%, 18% और 28% के चार मुख्य स्लैब थे। अब इन्हें 5% और 18% के दो मुख्य रेट में समेट दिया गया है। हालांकि, तंबाकू, सिगरेट, सिगार, गुटखा, पान मसाला आदि पर 40% का हाई रेट रखा गया है। इस बदलाव से जीएसटी सिस्टम ज्यादा आसान और भरोसेमंद हो गया। सरकार का दावा है कि स्लैब कम होने से झगड़े कम होंगे और कंप्लायंस आसान। अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा था, जबकि पूरे साल औसतन 1.9 लाख करोड़ रुपये रहा। लेकिन रेट कटौती के बाद थोड़ा दबाव पड़ा और ग्रोथ धीमी हुई।

कलेक्शन वर्ष के सबसे निचले स्तर पर

नवंबर में कलेक्शन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया, जो 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की तुलना में सिर्फ 0.7% की बढ़ोतरी थी। नवंबर वो पहला महीना था जब सितंबर की कटौती का पूरा असर दिखा। फिर भी ये सुधार लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो रहे हैं। आम इस्तेमाल की चीजें सस्ती हुईं, जिससे खपत बढ़ने की उम्मीद है।

इनकम टैक्स में राहत

मिडिल क्लास को बड़ा तोहफा

डायरेक्ट टैक्स के मोर्चे पर भी सरकार ने हाथ खोले। इनकम टैक्स की छूट लिमिट बढ़ाकर मिडिल इनकम वालों को राहत दी गई। लोगों के पास ज्यादा डिस्पोजेबल इनकम आए, खासकर शहरों में रहने वाले परिवारों को बड़ा फायदा हुए। इससे खुद टैक्स देने की आदत भी मजबूत हुई। 2025 के बजट में नई टैक्स व्यवस्था में 12 लाख रुपये सालाना आय तक कोई इनकम टैक्स नहीं देने का ऐलान हुआ। ये वो व्यवस्था है जिसमें कम रेट हैं लेकिन छूट या डिडक्शन का फायदा नहीं मिलता।

नए रेट कुछ इस तरह

- 4 से 8 लाख रुपये तक 5%
- 8 से 12 लाख रुपये तक 10%
- 12 से 16 लाख रुपये तक 15%
- 16-20 लाख रुपये पर 20%
- 20-24 लाख रुपये पर 25%
- 24 लाख रुपये से ऊपर 30%

टैक्स कलेक्शन धीमा

इन कटौती से अप्रैल से दिसंबर मध्य तक नॉन-कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन धीमा पड़ा। व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्म्स का नेट टैक्स सिर्फ 6.37% बढ़कर 8.47 लाख करोड़ हुआ, जबकि कॉर्पोरेट टैक्स 10.54% बढ़कर 8.17 लाख करोड़ रुपये पहुंचा। इस साल रिफंड 14% घटकर 2.97 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहे। अगले साल से नया सिंपल इनकम टैक्स एक्ट 2025 लागू होगा, जो 1 अप्रैल से शुरू होकर पुराने 1961 के एक्ट की जगह लेगा। सिगरेट पर एक्स्ट्रा एक्साइज ड्यूटी और पान मसाला पर सेस लगाने के दो नए कानून भी सरकार जब चाहे लागू कर देगी।

कस्टम्स ड्यूटी पर अब फोकस

जीएसटी और इनकम टैक्स के बड़े सुधार हो जाने के बाद अब नजर कस्टम्स पर है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कस्टम्स को सरल बनाना सरकार का अगला बड़ा सुधार होगा। इनकम टैक्स जैसी पारदर्शिता और फेसलेस असेसमेंट कस्टम्स में लाना जरूरी है। साथ ही ड्यूटी रेट को रेशनलाइज करना भी। पिछले दो साल में कस्टम्स ड्यूटी लगातार घटी है। लेकिन जहां रेट अभी भी ज्यादा हैं, उन्हें कम करना बाकी है। वित्त मंत्री ने कहा था, "कस्टम्स मेरा अगला बड़ा क्लीन-अप काम है।" 2025-26 बजट में इंडस्ट्रियल गुड्स पर सात अतिरिक्त टैरिफ रेट हटाने का प्रस्ताव था, जिससे कुल स्लैब आठ रह गए। पहले 2023-24 में भी सात टैरिफ हटाए गए थे। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ट्रेड के बदलते पैटर्न, कंप्लायंस कॉस्ट और प्रोसीजर की दिक्कतों को देखते हुए कस्टम्स में सुधार जरूरी हैं।

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसों की जरूरत पड़े

सात लाख को ऐसे करें निवेश, मिलेगा बड़ा फायदा, एक एफडी में लगाएं पैसे या फिर कई सारी का विकल्प बेहतर

फिक्स्ड डिपॉजिट निवेश के सबसे भरोसेमंद तरीकों में से एक

बिजनेस डेस्क

पैसा कमाने के लिए मेहनत और अनुशासन दोनों चाहिए, लेकिन उसे समझदारी से कहां निवेश किया जाए, यह फैसला उतना ही अहम होता है। आज के दौर में सिर्फ पैसे बचाकर रखना न तो सुरक्षित भविष्य की गारंटी देता है और न ही महंगाई को मात दे पाता है। मजबूत फाइनेंशियल कुशल बनने के लिए जरूरी है कि निवेश आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय के हिसाब से किया जाए। शेयर, इक्विटी म्यूचुअल फंड, पीपीएफ और सरकारी बचत योजनाओं जैसे कई विकल्प मौजूद हैं, लेकिन, इसके बावजूद बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) आज भी सुरक्षा और स्थिर रिटर्न चाहने वाले निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं।

पैसा कमाने के लिए मेहनत और अनुशासन चाहिए

एफडी क्यों है सबसे भरोसेमंद विकल्प

भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में गिना जाता है। क्योंकि इसमें पूंजी सुरक्षित रहती है और रिटर्न पहले से तय होता है। एफडी की ब्याज दर पर बाजार के उतार-चढ़ाव का असर भी नहीं पड़ता। साथ ही, डीआईसीजीसी इंश्योरेंस के तहत 5 लाख रुपये तक की जमा रकम सुरक्षित रहती है। इससे निवेशकों को अतिरिक्त भरोसा मिलता है। बैंक और एनबीएफसी 7 दिन से लेकर 10 साल तक की अवधि के लिए एफडी की सुविधा देते हैं। हालांकि, एफडी से बेहतर रिटर्न पाने के लिए सिर्फ पैसा जमा करना काफी नहीं होता, बल्कि सही अवधि और सही स्ट्रक्चर चुनना भी जरूरी होता है।

एक एफडी या कई एफडी, किसमें फायदा

निवेशकों के मन में अक्सर यह उलझन रहती है कि पूरी रकम एक ही एफडी में लगाई जाए या उसे कई एफडी में बांटा जाए। अब मान लीजिए आपके पास 7 लाख रुपये हैं, तो क्या 7 लाख की एक एफडी बेहतर है या 1-1 लाख की सात एफडी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि अगर ब्याज दर समान है, तो मैच्योरिटी पर मिलने वाली कुल रकम दोनों ही मामलों में बराबर रहेगी। फर्क सिर्फ सुविधा, लचीलापन और जरूरत पड़ने पर पैसे निकालने की आसानी में होता है।

बड़ी एफडी के फायदे क्या हैं

एक बड़ी एफडी का सबसे बड़ा फायदा इसकी सादगी है। इसमें आपको सिर्फ एक ही डिपॉजिट करना होता है, एक ही मैच्योरिटी डेट होती है और ब्याज भी एक जगह ही जुड़ता है। निवेश को ट्रैक करना आसान रहता है, न तो कई एफडी रसीदें संभालने की झंझट होती है और न ही अलग-अलग मैच्योरिटी याद रखने की जरूरत पड़ती है। जो निवेशक 'लगाओ और भूल जाओ' वाला तरीका पसंद करते हैं, उनके लिए यह विकल्प काफी सुविधाजनक माना जाता है। लंबी अवधि के लिए पैसा लॉक करने से ब्याज दर स्थिर रहती है और निवेशक बिना किसी रुकावट के मैच्योरिटी तक बेहतर रिटर्न हासिल कर सकता है। खासकर रिटायर्ड लोग या ऐसे निवेशक, जिनके पास पहले से इमरजेंसी फंड मौजूद है, उनके लिए एक बड़ी एफडी मानसिक शांति देने वाला विकल्प बन सकती है।

एक बड़ी एफडी के नुकसान समझना जरूरी

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाए। अगर आपको सिर्फ 50,000 रुपये चाहिए, तो आप आंशिक निकासी नहीं कर सकते। पूरी एफडी तोड़नी पड़ेगी, जिस पर पूरे अमाउंट पर पेनल्टी लगेगी और कुल रिटर्न घट जाएगा। इसके अलावा सुरक्षा का पहलू भी अहम है। भारत में डीआईसीजीसी नियमों के तहत एक बैंक में जमा राशि पर सिर्फ 5 लाख रुपये तक का ही इंश्योरेंस मिलता है। ऐसे में 7 लाख रुपये एक ही बैंक में रखने पर 2 लाख रुपये अनइंश्योर्ड रह जाते हैं। जरूरत पड़ने पर पूरी रकम नहीं, सिर्फ एक एफडी तोड़नी पड़ती है, जिससे बाकी पैसा ब्याज कमाता रहता है। प्रीमैच्योर विदड्रॉल की पेनल्टी सिर्फ उसी एफडी पर लगती है, पूरी रकम पर नहीं।

खबर संक्षेप

सोलर पंप लगाने के लिए आवेदन आमंत्रित : डीसी

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने एवं सिंचाई के लिए स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान के अंतर्गत हरियाणा सरकार द्वारा सोलर पंप लगाने हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। डीसी ने बताया कि इस योजना के तहत किसानों को 75 प्रतिशत अनुदान पर 3 एचपी से 10 एचपी क्षमता तक के सोलर पंप उपलब्ध कराए जाएंगे।

इस बार नव वर्ष पर नहीं होगा बांगर उत्सव

उचाना। बांगर उत्सव संगठन उचाना सामाजिक सदभावना हेतु हर वर्ष बांगर उत्सव नव वर्ष के दिन राजीव गांधी महाविद्यालय उचाना में आयोजित करता है। संगठन के महासचिव जुगमिंद्र ने बताया कि इन दिनों बांगर उत्सव संगठन के अधिकांश कार्यकर्ता सदभाव यात्रा का हिस्सा बन रहे है। इसलिए बांगर उत्सव संगठन की कार्यकारिणी ने उत्सव को बैसाखी की पूर्व संध्या पर 12 अप्रैल को मनाने का निर्णय लिया है।

मासिक हवन में चेयरमैन सुरेंद्र देंगे आहुति

उचाना। उचाना की ब्राह्मण धर्मशाला में आयोजित मासिक हवन एवं भजन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उचाना मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेंद्र खरक भूरा अपनी पत्नी पूनम अत्री के साथ हवन में पूर्ण आहुति डालेंगे। साहित्य सेवी संगठन उचाना के महासचिव मा. रामप्रसाद ने जानकारी दी।

आदर्शों से प्रेरणा लेकर बने जिम्मेदार नागरिक

अलेवा। डाहौला के नव प्रगति वामवि में शनिवार को वीर शहादत दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षता प्राचार्या लाजवंती ढिल्लों ने की। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगान के साथ की गई। कार्यक्रम के दौरान स्कूल परिसर में आयोजित विशेष प्रार्थना सभा में देश के वीर बलिदानों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बच्चों ने सुंदर-सुंदर तस्वीर बना मोहा मन

नरवाना। किड्स मेलोडी स्कूल में आज बच्चों ने ड्राइंग कर सुंदर-सुंदर तस्वीर बनाकर सभी का मन मोह लिया। कक्षा चार के विद्यार्थी हिना और निधि ने आज भगवान विष्णु और गणेश की सुंदर सी कलाकारी करके अनायास ही सभी का मन मोह लिया। विद्यालय प्राचार्य नीतू गोयल ने बताया कि आज बच्चों को यह शिक्षा दी गई की पढ़ाई के साथ.साथ खेलकूद चित्रकारी गेम शो सभी में भाग लेना चाहिए ताकि बच्चे शारीरिक मानसिक रूप से तंदुरुस्त रहे।

दिव्यांगजन को निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण आज

नरवाना। नारायण सेवा संस्थानए शाखा द्वारा रविवार को दिव्यांग को निरूशुल्क कृत्रिम अंग वितरित किए जाएंगे। यह कार्यक्रम ग्रीन लैंड पैलेस में आयोजित किया जाएगा। संस्थान के प्रधान राजेन्द्र गर्ग ने बताया कि संस्थान द्वारा गत 15 दिसम्बर को एक निरूशुल्क कृत्रिम अंग माप शिविर का आयोजन किया गया था। यह शिविर सड़क दुर्घटना अथवा अन्य कारणों से अपने हाथ.पैर खो चुके दिव्यांगो के लिए पूर्णतः निरूशुल्क था जिसमें 40 से 50 दिव्यांग शामिल हुए थे।

भ्रमण से छात्राओं ने जाना हड़प्पा सभ्यता का गौरव

जींद। बडौदा गांव के राजकीय कन्या वमावि की छात्राओं ने प्रधानाचार्य जितेंद्र खर्ब के कुशल मार्गदर्शन में ऐतिहासिक स्थल राखीगढ़ी का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस ज्ञानवर्धक यात्रा का उद्देश्य छात्राओं को भारत की प्राचीन एवं समृद्ध सभ्यता से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था।

सीआरएसयू ने परीक्षा तिथियों में किया बदलाव

जींद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा यूजीसी नेट परीक्षा तिथियों के साथ विवि की परीक्षाओं के टकराव को लेकर मांग उठाई गई थी। एबीवीपी विवि इकाई अध्यक्ष राहुल कक्कड़ ने बताया कि बड़ी संख्या में ऐसे छात्र हैं, जो एक साथ सीआरएसयू की परीक्षाओं एवं यूजीसी नेट परीक्षा में सम्मिलित हो रहे थे।

गोपाल स्कूल में सिख धर्म के गुरुओं की महानता का किया बखान

वीर गुरु पुत्रों की शहादत को किया नमन

सांस्कृतिक धरोहर का आधार मानकर पूर्वजों के दिखाए मार्ग पर चलें

गुरु महाराज ने देश व धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। कार्यक्रम में जोगिंद्र ग्रंथी को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

गोपाल विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 26 दिसंबर को गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के शहीदी दिवस को वीर बाल दिवस के रूप में मनाते हुए बाबा बंदा सिंह बहादुर गुरुद्वारा ऊंचा दड़ा के ग्रंथी जोगिन्द्र, प्रधानाचार्य अजय कौशिक द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर वंदना सभा का शुभारंभ किया गया। आतिथ्य परम्परा का निर्वहन करते बिजेंद्र शास्त्री ने पाठी भाई जोगिंद्र सिंह का परिचय करवाया व विद्यालय में पधारने पर अभिनंदन व स्वागत किया। जोगिंदर ने बाबा जोरावर सिंह व फतेह सिंह की शहादत को नमन करते सिख धर्म के गुरुओं की महानता का बखान किया। उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह के परिवार के बलिदान को याद दिलाते कहा कि गुरु महाराज ने देश व धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी ताकि सनातन धर्म पर कोई आंच ना आए। विद्यालय प्रधानाचार्य अजय कौशिक ने वंदना सभा में गुरु पुत्रों के बलिदान के उपलक्ष्य में धार्मिक कविता पाठ प्रस्तुत किया। प्रधानाचार्य अजय, सुशील, देवला व बिजेंद्र शास्त्री द्वारा जोगिंदर को उत्तरीय व विद्यालय स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में शिशु विभाग व प्राथमिक विभाग के छात्र भैया, बहनों को गुरुद्वारा भ्रमण करवाने के साथ गुरु महाराज के साहिबजादों की कुर्बानी पर आधारित चलचित्र भी दिखाया गया। प्रधानाचार्य अजय ने कहा कि बच्चों में संस्कारों की नींव बचपन में ही रखी जाती है। इसलिए हमें हमारी सांस्कृतिक धरोहर का आधार हमारे पूर्वजों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलना चाहिए। वीर बाल दिवस के इस पावन अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष जगन्नाथ शर्मा व सदस्यों की तरफ से प्रधानाचार्य द्वारा जोगिंद्र पाठी के उद्बोधन के लिए विशेष आभार प्रेषित किया गया।

साहिबजादों को शहीदी दिवस पर किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। वाहन चालकों को हेलमेट वितरित करते लायंस क्लब के पदाधिकारी।

लायंस क्लब कैथल सिटी के तत्वावधान में साहिबजादों के शहीदी दिवस के अवसर पर पिहोवा चौक स्थित हारट्रोन स्किल सेंटर में सेवा व सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य साहिबजादों की महान शहादत को नमन करने के साथ-साथ समाज में सेवा, त्याग और अनुशासन का संदेश देना रहा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहित अग्रवाल, नगर परिषद की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग, डीएसपी गुरविंद्र सिंह तथा सांसद नवीन जिंदल के प्रतिनिधि रविंद्र धीमान उपस्थित रहे। सभी ने साहिबजादे की शहादत पर शीश झुका कर नमन किया। इस अवसर पर गुरु का अटूट लंगर वितरित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। मोहित अग्रवाल ने कहा कि साहिबजादों की शहादत हमें सत्य, धर्म और मानवता के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम नई पीढ़ी को इतिहास से जोड़ने और सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाते हैं। नगर परिषद चेयरपर्सन सुरभि गर्ग ने कहा कि सेवा और सुरक्षा दोनों समाज की बुनियाद हैं। उन्होंने ट्रैफिक नियमों के पालन पर जोर देते कहा कि हेलमेट जैसे छोटे-से कदम से अनमोल जीवन बचाया जा सकता है। डीएसपी गुरविंदर सिंह ने भी सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता का संदेश दिया और दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहनने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान करनाल रोड से बिना हेलमेट गुजर रहे दोपहिया वाहन चालकों को निशुल्क हेलमेट वितरित किए गए। सांसद नवीन जिंदल के प्रतिनिधि रविंदर धीमान ने कहा कि समाज सेवा और जन-सुरक्षा से जुड़े ऐसे प्रयासों को हर स्तर पर प्रोत्साहन मिलना चाहिए। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल एक मिसाल है। हारट्रोन स्किल सेंटर के संचालक डॉ. बलविंद्र ढुल ने अतिथियों का स्वागत करते कहा कि संस्थान केवल कौशल विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के लिए भी प्रतिबद्ध है।

कैथल। सम्मेलन में भाग लेते भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर, लीला राम व अन्य।

पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी जी को किया नमन

कैथल। भाजपा कार्यालय कपिल कमल में अटल स्मृति सम्मेलन का विधानसभा स्तर पर गरिमामय आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता कैथल के पूर्व विधायक लीलाराम ने की। कार्यक्रम की शुरुआत भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेई की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ हुई। उपस्थित कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने अटल जी के राष्ट्रवादी विचारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और सुशासन की विरासत को नमन करते उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। मंच संचालन पूर्व शहरी मंडल अध्यक्ष श्री वीरेंद्र बत्रा ने सधे शब्दों और अनुशासित संचालन के साथ किया। सम्मेलन को तीन वैचारिक सत्रों में विभाजित किया गया, जिनमें प्रथम सत्र में पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक गुज्जर , द्वितीय सत्र में पूर्व विधायक लीलाराम, तथा तृतीय सत्र में जिला प्रभारी अमरपाल राणा ने अपने-अपने विचार रखे। तीनों सत्रों में अटल व्यक्तित्व, राष्ट्रनिर्माण का अटल मॉडल और अटल जी के विचारों से प्रेरित विकसित भारत के संकल्प पर विस्तृत चर्चा हुई।

प्रदेश की नायब सरकार किसान मजदूर, गरीब हितैषी : कंडेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा सहकारी श्रम व निर्माण प्रसंग के पूर्व अध्यक्ष व भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता टेकराम कंडेला ने कहा कि हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी किसान मजदूर व गरीब आदमी की हितैषी सरकार है। जो दिन-रात गरीबों में किसानों के बीच में रह कर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। प्रदेश में हर वर्ग सरकार से संतुष्ट नजर आ रहे हैं। इसमें चाहे गरीब आदमी हो, किसान हो, व्यापारी हो, कर्मचारी हो, यह सरकार दिन-रात सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के नारे पर काम कर रही है। इसी प्रकार प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल हरियाणा की बिना पर्ची, खर्ची के युवाओं को रोजगार देकर अच्छी सुशासन व्यवस्था का कार्य किया है। उनके पद चिन्ह पर चलते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री युवाओं को रोजगार दे रहे हैं। कंडेला ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों के लिए किसान सम्मान निधि व फसल बीमा योजना व जम्मू कश्मीर में धारा 370 को हटाना देश की सुरक्षा और विकास के लिए दिन रात कार्य कर रहे हैं। देश के अंदर बड़े-बड़े सड़कों का निर्माण करके लोगों के रास्तों को सुगम करने का कार्य किया है। जिसके कारण भारत देश का विकास तेजी से आगे बढ़ रहा है।

राजकीय आईटीआई में अप्रेंटिस मेला 29 को

कैथल। राजकीय आईटीआई में 29 दिसंबर को प्रधानमंत्री अप्रैंटिस मेले का आयोजन किया जाएगा। आईटीआई के जिला नोडल अधिकारी एवं प्रधानाचार्य सतीश मच्छाल ने बताया कि रोजगार मेले में दो दर्जन कंपनियां हजारों छात्रों का शिक्षुता एवं नौकरी के लिए चयन करेंगे। बताया कि कैंपस प्लेसमेंट में केवल जिला बल्कि बाहर के विद्यार्थी भी भाग लेंगे। कहा कि चयनित विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा लाखों रुपए का पैकेज दिया जाएगा। बताया कि मेरे की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है तथा इसके लिए अलग-अलग कमेटी का गठन करते हुए उनकी ड्यूटी निर्धारित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि मेले में यूनो मिंडा बावल रेवाड़ी, यूरो मिंडा खरखोदा सोनीपत, हीरो मोटो कारप नीमवाला राजस्थान, वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड बद्दी हिमाचल प्रदेश, महालक्ष्मी पॉलीमर्स इंडिया कैथल, एकांश मोटर कैथल, जीएलएस फिल्म्स बिलासपुर, गुरुग्राम सात्विक सोलर प्राइवेट लिमिटेड अंबाला प्रतिष्ठित कंपनियों विद्यार्थियों को अप्रैंटिश तथा रोजगार के लिए चयन करेंगे।

पूंडरी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते विधायक सतपाल जाम्बा।

भारत रत्न अटल जी प्रेरणास्रोत : सतपाल

पूंडरी। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व.अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में अटल समृद्धि सम्मेलन का आयोजन आज पुंडरी विधानसभा के अंतर्गत विधायक सतपाल जांबा के पुंडरी स्थित कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम में संगठन के सभी मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रमुख, मंडल महामंत्री एवं पार्टी के अन्य पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी विशेष रूप से मौजूद रहीं। कार्यक्रम में सुभाष हजवाना, देवेंद्र पांचाल, तथा तीनों मंडल अध्यक्ष मनोज राणा, सरोज प्रजापति एवं विजेंद्र मैहला भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते विधायक ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी मेरे लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहे हैं। भारतीय राजनीति में सिद्धांत, संवेदना और विकास की एक नई परंपरा स्थापित की है।

डेयरी फार्मिंग से खुले रोजगार के नए रास्ते : डा. गौरी

जींद। पशु विज्ञान केंद्र में सात दिवसीय डेयरी फार्मिंग प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। प्रशिक्षण में 35 महिला एवं युवाओं को वैज्ञानिक तरीके से डेयरी फार्मिंग का व्यावशायिक प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डा. गौतम, पशु विज्ञान केंद्र प्रभारी डा. गौरी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में लुवास के सेवामुक्त निदेशक डा. राजेन्द्र श्योकंद व अन्य वैज्ञानिक ने पशुओं को स्वस्थ रखने के लिए नियमित टीकाकरण, संतुलित आहार तथा उचित प्रबंधन अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि पौष्टिक आहार एवं बेहतर रखरखाव से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है। पशु विज्ञान केंद्र जींद के सेवामुक्त वैज्ञानिक डा. रमेश सिंहमार ने प्रशिक्षणार्थियों को हरे चारे, संतुलित आहार, उन्नत नस्ल के पशुओं के चयन, स्वच्छ डेयरी प्रबंधन एवं रोग नियंत्रण की जानकारी दी। बताया कि विवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित उच्च गुणवत्ता वाले खनिज मिश्रण का नियमित उपयोग पशुओं के स्वास्थ्य एवं उत्पादन क्षमता को बढ़ाता है।

प्रशिक्षण शिविर के समापन पर पशुपालकों को प्रमाण पत्र देते हुए।

सीवन। कांगथली के स्कूल में कार्यक्रम में भाग लेते अतिथि।

मेधावी विद्यार्थियों को बांटे टैबलेट

सीवन। गुरुनानक ग्लोबल पब्लिक स्कूल कांगथली में इंडोफिल इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा एजू कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत दसवीं कक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले तीन मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि गुहला विधायक देवेंद्र हंस ने शिरकत की। विधायक देवेंद्र हंस ने विद्यार्थियों को संबोधित करते कहा कि शिक्षा ही वह मजबूत आधार है, जिस पर किसी भी विद्यार्थी का उज्ज्वल भविष्य टिका होता है। विद्यार्थियों से कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अध्ययन करने का आह्वान करते कहा कि उन्हें अपने माता-पिता, शिक्षकों और क्षेत्र का नाम रोशन करना चाहिए। विधायक ने कहा कि सच्ची सफलता केवल अच्छे अंकों से नहीं, बल्कि अच्छे संस्कारों, जिम्मेदारी और समाज के प्रति सकारात्मक सोच से प्राप्त होती है। शिक्षकों की भूमिका की सराहना करते हुए विधायक ने कहा कि शिक्षक समाज की रीढ़ होते हैं, जो बच्चों को सही दिशा देकर उनका भविष्य संवारते हैं।

कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

श्रद्धा-सेवाभाव के साथ शहीदी जोड़ मेला संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

सीवन। कार्यक्रम में पहुंची साध संगत। फोटो :हरिभूमि

नगर में आयोजित शहीदी जोड़ मेले का शनिवार को श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ विधिवत समापन हो गया। समापन अवसर पर प्रातःकाल अखंड पाठ का भोग डाला गया, जिसके उपरांत भव्य दीवान सजाया गया। दीवान में रागी जत्थों ने गुरबाणी का मधुर कीर्तन करते हुए गुरु साहिब के गुणगान से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी देखने को नहीं मिली। सुबह से ही बड़ी संख्या में संगत परिसर में नतमस्तक होती रही। श्रद्धालुओं ने गुरु साहिब के चरणों में मत्था टेककर सुख-शांति और समृद्धि की अरदास की। मेले के दौरान सेवा भाव की मिसाल भी देखने को मिली। सेवादारों ने भीषण ठंड की परवाह किए बिना गुरु का लंगर पूरे समर्पण के साथ चलाया। लंगर में दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं सहित हजारों की संख्या में संगत ने प्रसाद ग्रहण किया। सेवा में लगे युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने तन-मन-धन से सेवा कर गुरु परंपरा का पालन किया। इसके साथ ही शहीदी जोड़ मेले के अवसर पर एक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर में नगर व आसपास के क्षेत्रों से आए युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और मानव सेवा का परिचय देते हुए स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्तदान शिविर को लेकर युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया। बाबा जोरावर सिंह बाबा फतेह सिंह लंगर कमेटी की ओर से आयोजित इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र व आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में संगत ने भाग लिया।

नगर वासियों का जताया आभार

समिति के सदस्य अमरेंद्र खारा ने आयोजन की सफलता के लिए सभी सेवादारों, युवा सदस्यों एवं नगर वासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगत के सहयोग और गुरु साहिब की असीम कृपा से यह शहीदी जोड़ मेला शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समापन के साथ ही संगत ने शहीद साहिबजादों के बलिदान को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस आयोजन को सफल बनाने में हरप्रीत झब्बर, तेजेंद्र सिंह, हैप्पी विर्क, दविंदर धामी, अवतार सिंह धामी, तकदीर सिंह सहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में युवाओं ने सक्रिय रूप से सेवा निभाई।

खबर संक्षेप

अंडरपास के दोनों ओर बैरियर लगाने का कार्य पूरा

जींद। शहर में देवीलाल चौक के समीप बने छोटे अंडरपास को लेकर लंबे समय से चली आ रही आमजन की परेशानी का समाधान आखिरकार पूरा हो गया है। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष एवं समाजसेवी डा. राजकुमार गोयल के निरंतर प्रयासों के बाद रेलवे विभाग द्वारा अंडरपास के दोनों ओर बैरियर लगाने का कार्य पूरा कर दिया गया है। मौके पर पड़ा एक्स्ट्रा मलबा भी हटवा दिया गया है और अब इसी के साथ पैदल यात्रियों व दो पहिया वाहनों के लिए आवागमन शुरू हो गया है। जिससे क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली है। राजकुमार गोयल बीते काफी समय से अंडरपास पर बैरियर लगवाने की मांग को लेकर सक्रिय थे। एक ओर जहां जिला प्रशासन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित किया वहीं दूसरी ओर रेलवे विभाग के अधिकारियों से संवाद कर पैदल यात्रियों की सुरक्षा, महिलाओं, बुजुर्गों एवं दोपहिया वाहन चालकों के लिए बढ़ते हादसों की आशंका से अवगत कराया। गोयल के प्रयासों का ही परिणाम है कि रेलवे विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते अंडरपास के दोनों सिरों पर बैरियर लगाने की कार्रवाई को प्राथमिकता दी।

डीएवी स्कूल में वार्षिक खेल महोत्सव का आयोजन

नरवाना। डीएवी पब्लिक स्कूल नरवाना में दो दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ देवेंद्र कुमार बिंदलिश ए डॉ कपिलएजोगीराम आर्य ने शिरकत की। विद्यालय के प्राचार्य गजेंद्र कुमार शर्मा ने फूल मालाओं से स्वागत किया। कक्षा पहली से 12वीं तक के बच्चों ने बैलून रेसए लॉन्ग जंपएमटका रेस ए बॉल बैलून रेस ए लेमन रेसए टर्टल रेसए लेमन स्पून रेस जैसी विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिता में भाग लिया । डॉ देवेंद्र कुमार बिंदलिश ने कहा कि खेलों में हिस्सा लेने से बच्चों के भीतर सहयोग की भावनाए आत्म विश्वासए आत्म निर्भरता जैसे गुणों का विकास होता है ।अतः पढ़ाई के साथ.साथ खेलों में भाग लेना बहुत जरूरी है। हारना बुरा नहीं है बल्कि हार मान लेना बुरा है । अंत में विद्यालय के प्राचार्य गजेंद्र कुमार शर्मा ने मुख्य अतिथियों को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर धन्यवाद किया।

विधायक ने किया उचाना खुर्द के कन्या स्कूल का निरीक्षण

उचाना। उचाना खुर्द के राजकीय कन्या उच्च स्कूल में विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारी रणपाल श्योकंद से उन विद्यालयों की सूची मांगी, जहां पीने के पानी की उचित व्यवस्था नहीं है। उन्होंने जन स्वास्थ्य विभाग को प्रत्येक स्कूल में स्वच्छ जल सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया। विधायक ने कहा कि उनके क्षेत्र के सभी राजकीय स्कूल निजी स्कूलों से बेहतर शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि खेल-खेल में शिक्षा और सर्वांगीण विकास की विचारधारा से विद्यार्थियों में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। विधायक ने सरकार की मिड-डे मील और निपुण जैसी योजनाओं की सराहना की, जिनसे विद्यार्थी स्वादिष्ट भोजन के साथ ज्ञान का स्थायीकरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए शौचालय शहरों की तर्ज पर आकर्षक होने चाहिए। स्कूल की मुखिया कुलवंत ने बिजली फिटिंग, स्टेज चबूतरा और मिड-डे मील की रसोई के लिए मांग रखी, जिस पर विधायक ने जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया। इसके अतिरिक्त, सरपंच सतबीर और ग्रामीणों ने भी अपना मांगपत्र सौंपा, जिनकी संभावना जांच के बाद पूरा करने का आश्वासन दिया गया।

मनीष मुनि महाराज के जल्द स्वस्थ होने के लिए किया जाप

उचाना। गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन में विहार करके जा रहे अरूण चंद्र महाराज के शिष्य मनीष मुनि महाराज को ऑटो ने टक्कर मार दी। टक्कर में वो गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका उपचार गाजियाबाद के प्राइवेट अस्पताल में चल रहा है। जैन मुनि के जल्द स्वस्थ होने की कामना के लिए दो दिन से लगातार दोपहर 2 बजे से 3 बजे तक जाप श्रद्धालु कर रहे है। श्रीएसएस जैन सभा उचाना प्रधान दयानंद जैन ने बताया कि मनीष मुनि महाराज 25 दिसंबर को जैन मुनियों के साथ विहार कर रहे थे। ऑटो की टक्कर लगने से वो गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके दोनों पांव में फ्रैक्चर आने के साथ-साथ कई जगह पर भी चोट लगी। सोमवार को उनका आप्रेशन होने की उम्मीद है। जल्दी स्वास्थ्य लाभ के लिए निरंतर स्थानक में श्रद्धालुओं द्वारा हर रोज एक घंटे जाप किया जा रहा है।

गतौली में बेटी के जन्म पर किया कुआं पुजन

जुलाना। क्षेत्र के गतौली गांव में बेटी के जन्म पर कुआं पुजन किया गया। लड़की के पैदा होने पर ढोल नंगाड़ों के साथ खुशी मनाई । कार्यक्रम में पूरे गांव को भोज करवाया गया। गतौली गांव निवासी किसान अनित ने बताया कि उसके घर में 55 साल बाद कोई बेटी पैदा हुई है। इससे पहले उसकी बुआ ने घर में जन्म लिया था। उन्होंने कहा कि वो लड़का और लड़की में कोई अंतर नही मानते। वो अपनी बेटी की परवरिश बेटों की तरह करेंगे। लड़की की माता स्वीटी ने कहा कि आज के समय में लड़का लड़की में कोई अंतर नही है। फर्क है तो सिर्फ मानसिकता का। लड़कियां किसी भी क्षेत्र में लड़कों से पीछे नही हैं। ढांडा खाप के पूर्व प्रधान नरेश ढांडा ने कहा कि बेटी के जन्म पर कुआं पुजन कर अन्य लोगों को भी संदेश दिया गया है कि लड़कियां भी अपने माता-पिता का नाम रोशन कर सकती हैं अगर उनकी परवरिश बेटों की तरह हो। लड़कियां आज खेल, शिक्षा यहां तक कि सेना में भी लड़कों से कहीं आगे हैं। अन्य लोगों को भी चाहिए कि वो बेटी को बेटे की तरह माने और अच्छी परवरिश करें।

विशेष शिविर में 97 लंबित इंतकालों का किया निपटान

उचाना। आमजन की सुविधा एवं लंबित राजस्व मामलों के त्वरित निपटान के उद्देश्य से तहसील कार्यालय उचाना में इंतकालों के निपटान हेतु विशेष कैंप का आयोजन किया। इस विशेष कैंप के दौरान कुल 97 इंतकाल मामलों का निपटान किया गया। तहसीलदार निखिल सिंगला ने कहा कि आम नागरिकों को बार-बार तहसील कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें, इसी उद्देश्य से इस प्रकार के विशेष कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। तीन एवं 10 जनवरी 2026 को इसी प्रकार के विशेष कैंप का आयोजन तहसील कार्यालय में किया जाएगा। कैंप में भूमि से संबंधित लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुना गया। तहसीलदार ने संबंधित नागरिकों से अपील की है कि जिनके इंतकाल से संबंधित मामले लंबित हैं, वे निर्धारित तिथियों पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ इन विशेष शिविरों में उपस्थित होकर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। कैंप के दौरान राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने भी सक्रिय सहयोग किया।

समाजसेवी ने जरूरतमंद बच्चों को बांटी जर्सियां

राजौंद। शहीद सिपाही संपूर्ण सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाखौली में समाजसेवी सुरेश मलिक द्वारा जरूरतमंद बच्चों को जर्सियां वितरित की गई। इस दौरान स्कूल के प्रधानाचार्य रविंद्र कादयान द्वारा बच्चों को बताया कि किसी पर परोपकार करना व किसी को दान करना इसका कितना महत्व होता है। उन्होंने इस दौरान स्कूल में पहुंचे समाजसेवी सुरेश मलिक का धन्यवाद किया जिन्होंने सर्दी के इस मौसम में बच्चों के लिए यह कदम उठाकर उन्हें गर्म वस्त्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति अगर ऐसी सोच रखे तो एक अच्छा संदेश हर व्यक्ति के लिए जाएगा। इस दौरान स्कूल स्टाफ सदस्य दिनेश कुमार, गुरबचन सिंह, मदन गोपाल, रामरती व समस्त विद्यालय स्टाफ व प्रबंधन समिति द्वारा उनका स्वागत किया गया।

शिविर में 60 यूनिट रक्त एकत्रित किया

कैथल। राजकीय वमावि चंदाना की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई व युवा जागृति मंच चंदाना के सहयोग से एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त एकत्रित करना था। एनएसएस इकाई का यह तीसरा रक्तदान शिविर था। शिविर का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य श्रीमती पिंकी कुमारी व सरपंच वीरेंद्र सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अपने संबोधन में कहा कि रक्तदान महादान हैं और एक स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी का भी जीवन बचा सकता है। शिविर में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा समस्त व्यवस्थाओं का प्रबंधन किया गया। शिविर में कुल 60 यूनिट एकत्रित किया गया। सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अंत में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी अनिरुद्ध वर्मा व प्रधान आचार्य सलिन्दर ने डॉक्टरों की टीम और समस्त ग्रामवासियों व रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

विधायक सुरजेवाला ने किया गली मरम्मत का शुभारंभ

कैथल। हरियाणा में भाजपा सरकार होने के बावजूद कैथल से कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला विपक्ष की भूमिका में रहते हुए भी क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयासरत हैं। वे कैथल शहर के विभिन्न वार्डों और ग्रामीण क्षेत्रों में ओपन जिम, नवनिर्मित गलियां, चौपालों का निर्माण और नवीनीकरण, लाइब्रेरी की स्थापना तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।हाल ही में कैथल विधायक आदित्य ने कैथल शहर के वार्ड 13, कौलेखां बस्ती और वार्ड 21 की अग्रवाल कॉलोनी में नवनिर्मित गलियों का उद्घाटन किया। इसके साथ ही विधायक आदित्य ने कैथल हलके के गांवों व वार्डों में भी विकास कार्यों की शुरुआत की हुई है। जो बहुत जल्द पूरे होने वाले हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि विपक्ष में होने के बावजूद आदित्य सुरजेवाला जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देते फंड और संसाधनों का इंतजाम कर विकास कार्य करवा रहे हैं।

सूचना

मैं, राजेश कुमार (आधार नंबर 5891 5658 6908), पुत्र ओम प्रकाश दुल, निवासी प्लॉट नंबर 7, सेक्टर-9 जीन्द-126102 (हरियाणा) बयान करता हूं कि मैंने अपना नाम राजेश कुमार से बदलकर राजेश दुल कर लिया है।

सूचना

मैं, ओम प्रकाश (आधार नंबर 3492 3339 2648), पुत्र जयलाल दुल, निवासी मकान नंबर 2248 अर्बन एस्टेट जीन्द-126102 (हरियाणा) बयान करता हूं कि ओम प्रकाश और ओम प्रकाश दुल एक ही व्यक्ति के दो नाम हैं, वह व्यक्ति मैं हूं।

खबर संक्षेप

रेलगाड़ी की चपेट में आने से अज्ञात की मौत

जींद। जुलाना रेलवे स्टेशन के पास रेलगाड़ी की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर रेलवे थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। रेलवे पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया है।

श्री सुखमनी साहिब का पाठ आज होगा

जींद। बाबा जीवन सिंह वेलफेयर सोसायटी द्वारा रविवार को नरवाना रोड स्थित सुंदर नगर में 10 बजे से लेकर 2 बजे तक शहीद बाबा जीवन सिंह की शहीदी को समर्पित कीर्तन दरबार सजाया जाएगा। गुरुघर के प्रवक्ता बलविंदर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के आरंभ में सुखमनी सेवा सोसायटी द्वारा श्री सुखमनी साहिब का पाठ किया जाएगा। इसके बाद सिंह सभा गुरुद्वारा रेलवे जंक्शन के हैड ग्रंथी भाई जसवंत सिंह ढिल्लो बाबा जीवन सिंह की शहीदी के इतिहास को संगतों से रूबरू करवाएंगे।

शराब की बोतल से वार कर किया घायल, केस

जींद। सफीदों रोड बाईपास पुल के निकट कार सवार लोगों ने एक व्यक्ति पर शराब की बोतल से वार कर घायल कर दिया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर एक लड़की समेत पांच कार सवार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव सिंघाना निवासी अनिल ने पुलिस को शिकायत दी है।

ट्रक की चपेट में आने से युवक की जान गई

कैथल। कैथल के ड्रेन रोड पर ट्रक की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा उसके परिजनों को सौंप दिया। मेगा माजरा लदाना चक्कू के करनैल सिंह ने शहर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 26 दिसंबर को जब दोपहर को 1:30 बजे उसका भाई लखबीर सिंह बाइक पर सवार होकर ड्रेन रोड कैथल से जा रहा था तो एक अज्ञात चालक ने अपने ट्रक को तेज गति और लापरवाही से चलते हुए उसे चपेट में ले लिया।

ट्रक से 35 कट्टे चावल चोरी, शिकायत दर्ज

जींद। सफीदों एजेंसी के बाहर खड़े ट्रक का बीती रात चोरों तिरपाल काट कर 35 कट्टे चावल चोरी कर लिए। ट्रक चालक की शिकायत पर शहर थाना सफीदों पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव दालमवाला निवासी सुरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने चावल से भरा ट्रक तिरपाल लगा कर सफीदों एजेंसी के सामने खड़ा किया हुआ था।

युवक को चाकू मारने का आरोपी गिरफ्तार

कैथल। थाना तितरम क्षेत्र के गांव शेरगढ़ स्कूल के बाहर युवक पर चाकू से वार कर जानलेवा हमला करने के मामले में थाना तितरम पुलिस के एसआई जोगिंदर की टीम द्वारा आरोपी बलराज नगर कैथल निवासी प्रिंस उर्फ साहिल को गिरफ्तार कर लिया गया। डीएसपी सुशील प्रकाश ने बताया कि 19 की शाम शेरगढ़ स्कूल के बाहर युवको ने युवक का रास्ता रोक चाकू से वार कर हमला किया गया था।

आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप में केस दर्ज

जुलाना। क्षेत्र के गांव बख्ता खेड़ा में महिला को आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला सामने आया है। बख्ता खेड़ा गांव निवासी 48 वर्षीय सुमित्रा ने जहरीला पदार्थ निगलकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मृतका की बेटी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप, केस

कैथल। थाना सदर पुलिस कैथल ने घर में घुसकर मारपीट करने के रूप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। करसिंधु के बलबीर ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 25 को जब गांव मानस आया था तो गांव मानस के नरेश ने घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की तथा मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जींद। हादसे में दुर्घटनाग्रस्त हुआ ट्रक व रोडवेज बस व हादसे के बाद लगा जाम। फोटो :हरिभूमि

कोहरे का कहर: रेत से भरे ट्रक ने तेल टैंकर को मारी टक्कर, आपस में भिड़ते चले गए वाहन

रोडवेज-स्कूल बस समेत चार वाहन भिड़े, दर्जनभर घायल

दोनों बसों में सवार छात्र तथा यात्री बाल-बाल बचे, बड़ा हादसा टला

कंडेला के निकट जींद-कैथल मार्ग पर शनिवार सुबह हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव कंडेला के निकट जींद-कैथल मार्ग पर शनिवार सुबह उस समय बड़ा हादसा टल गया जब ट्रक, तेल टैंकर, रोडवेज बस तथा निजी स्कूल बस की भिडंत हो गई। जिसमें ट्रक चालक, रोडवेज बस चालक समेत दर्जनभर लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना के दौरान कुछ समय के रास्ता भी बाधित हो गया था। सदर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांव कंडेला के निकट जींद-कैथल मार्ग पर शनिवार सुबह कैथल की तरफ से आ रहे रेती से भरे ट्रक ने सामने से आ रहे तेल टैंकर को टक्कर मार दी। जिसके चलते टैंकर अनियंत्रित होकर पीछे आ रही कैथल डिपो की बस से जा टकराया। उसी दौरान पीछे आ रही निजी स्कूल बस भी टैंकर के पीछे जा टकराई। जिसमें रोडवज बस चालक संदीप, परिचालक रामनिवास, टैंकर चालक भट्टू कला निवासी धर्मबीर, सहायक रमेश, गांव चंदड़कला निवासी विनोद घायल हो गए। जबकि निजी स्कूल बस चालक को भी हल्की चोटें आई। जबकि रोडवेज बस तथा स्कूल बस में सवार छात्र बाल-बाल बच गए। घटना को अंजाम देकर ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। टैंकर में फंसे चालक को ग्रामीणों ने ट्रैक्टर सहायता से बाहर निकाला। घायल लोगों को नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सदर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव कंडेला के निकट बड़ा हादसा रोडवेज बस चालक तथा निजी स्कूल बस चालक की सूझबुझ से टला है। जिस दौरान रेत से भरे ट्रक तथा टैंकर की भिडंत हुई। उस दौरान रोडवेज बस जींद से कैथल जा रही थी। जिसमें लगभग 40 यात्री सवार थे। ट्रक तथा टैंकर की भिडंत के साथ रोडवेज बस चालक ने टक्कर से बचने के लिए बस को खेतो की तरफ कर दिया। फिर भी अनियंत्रित ट्रक का अगला हिस्सा बस से जा टकराया। रोडवेज बस के पीछे निजी स्कूल बस थी। जिसमें 38 छात्र सवार थे। रोडवेज की टैंकर के साथ भिडंत के साथ निजी स्कूल बस चालक ने कट मारा तो स्कूल बस का अगला हिस्सा भी टकरा गया। जिसमें स्कूल बस का शीशा टूट गया। जबकि छात्र तथा यात्री बाल बाल बच गए।

जींद। हादसे में दुर्घटनाग्रस्त हुई स्कूल बस। फोटो :हरिभूमि

सहायता के लिए पहुंचे ग्रामीण

चार वाहनों के आपस में भिड़ने से जींद-कैथल मार्ग पर जाम लग गया। दोनों तरफ के वाहन चालक तथा उसमें सवार लोग बचाव के दौड़ पड़े। सूचना मिलने पर ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए और ट्रैक्टर की सहायता से टैंकर में फंसे चालक को बाहर निकाला। सूचना मिलने पर छात्रों के अभिभावक भी मौके पर पहुंचे और बच्चों का सुरक्षित पाकर राहत की सांस ली। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर यातायात को सुचारू किया। सदर थाना प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। घटना में किसी को गंभीर चोटे नही आई। यात्री तथा छात्र सभी सुरक्षित है। मामले की जांच कर रही है।

रेत से भरे ट्रक ने टैंकर को टक्कर मारी

रोडवेज बस चालक धर्मबीर ने बताया कि धुंध ज्यादा नही थी। उनके आगे तेल का टैंकर चल रहा था। जिसे सामने से आ रहे रेत से भरे ट्रक ने टक्कर मार दी। जिसके बाद वही ट्रक बस की तरफ आ गया। उसने बस को खेत की तरफ कर दिया। फिर भी ट्रक बस के अगले हिस्से से जा टकराया। जिसमें उसे तथा उसके परिचाल को चोट आई है। यात्री बाल-बाल बच गए। तेल टैंकर भट्टू कलां निवासी धर्मबीर ने बताया कि धुंध ज्यादा नही थी। वह तेल लाने पानीपत जा रहा था। गांव कंडेला के निकट सामने से आ रहे रेत से भरे ट्रक ने टैंकर को टक्कर मार दी। जिसके बाद ट्रक पीछे आ रही रोडवेज बस जा टकराया। टैंकर में उसके समेत तीन लोग घायल हो गए।

कैथल। सड़कों पर छाई धुंध। फोटो :हरिभूमि

ग्रीन फील्ड हाइवे पर कैंटर व कार भिड़ंत में एक की मौत, चार घायल

सिवानामाल के निकट शनिवार सुबह हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव सिवानामाल के निकट शनिवार सुबह ग्रीन फील्ड हाइवे पर आगे चल रहे कैंटर से कार की टक्कर हो गई। जिसमें कार सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। सदर थाना सफीदों पुलिस ने मृतक के साथी की शिकायत पर कैंटर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली रोहणी निवासी विकास (35), जोगेंद्र, राजेश, दीपक, अशोक अपनी गाड़ी में सवार होकर ग्रीन फील्ड हाईवे से वाया जींद से फतेहबाद जा रहे थे। गांव सिवानामाल के निकट ग्रीन फील्ड हाईवे पर आगे चल रहे कैंटर ने अचानक ब्रेक लगा दिए। जिससे उनकी कार आगे चल रहे कैंटर से उनकी कार जा टकराई। जिसमें कार सवार पांचों लोग घायल हो गए।

फरार कैंटर चालक के खिलाफ मुकदमा

राहगीरों ने घायलों को नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने विकास को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर सदर थाना सफीदों पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया। मृतक के साथी अशोक ने बताया कि मृतक विकास अधिवक्ता था। सभी लोग शनिवार सुबह गाड़ी में सवार होकर कार्यवश रतिया (फतेहबाद) जा रहे थे। धुंध भी थी। उनके आगे चल रहे कैंटर ने अचानक ब्रेक लगा दिए। जिससे उनकी गाड़ी कैंटर के पीछे जा टकराई। सदर थाना सफीदों पुलिस ने मृतक के साथी अशोक की शिकायत पर फरार कैंटर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सदर थाना सफीदो के जांच अधिकारी दिलबाग ने बताया कि मृतक के साथी की शिकायत पर कैंटर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। शव का पोस्टमार्टम करा परिजनो को सौंप दिया गया है।

कड़ाके की ठंड ने फिर बढ़ाई मुश्किलें, अलाव बना सहारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल/सीवन

नगर व आसपास के क्षेत्रों में एक बार फिर कड़ाके की ठंड ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। लगातार गिरते तापमान, सुबह से छाई घनी धुंध और कोहरे के कारण जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। सर्द हवाओं के चलते लोगों को अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है, वहीं ठंड से बचाव के लिए लोग घरों में दुबकने को मजबूर हैं। सुबह के समय घनी धुंध और कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम रही, जिससे सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम सी गई। हाईवे और ग्रामीण मार्गों पर वाहन रेंगते नजर आए। कई स्थानों पर वाहन चालकों को लाइटें जलाकर और बेहद धीमी गति से सफर करना पड़ा। ठंड और कोहरे के कारण दुर्घटना की आशंका भी बनी रही, जिससे लोग अतिरिक्त सतर्कता बरतते दिखाई दिए। सबसे अधिक परेशानी नन्हे-मुन्ने बच्चों और बुजुर्गों को हो रही है।

कड़ाके की ठंड के बावजूद छोटे बच्चों को सुबह-सुबह स्कूल जाना पड़ रहा है, जिससे अभिभावक भी चिंतित नजर आए। अभिभावकों का कहना है कि इस भीषण ठंड में बच्चों का घर से बाहर निकलना स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है और स्कूलों में कुछ दिनों की छुट्टियां घोषित की जानी चाहिए। ठंड का असर बाजारों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। सुबह के समय बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा और दिन चढ़ने के बाद ही लोगों की आवाजाही बढ़ी। चाय की दुकानों और अलाव के आसपास लोग ठंड से राहत पाने के लिए जुटते नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड और कोहरे का असर और बढ़ सकता है। ऐसे में लोगों को विशेष सावधानी बरतने, गर्म कपड़ों का उपयोग करने और अनावश्यक रूप से सुबह-शाम बाहर निकलने से बचने की सलाह दी गई है। ठंड ने आमजन की दिनचर्या को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है और लोगों को अब राहत के लिए मौसम के बदलने का इंतजार है।

सावधानी बरतना जरूरी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीवन के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरकीरत ने बताया कि कड़ाके की ठंड और कोहरे के मौसम में विशेष सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि लोग सुबह और देर शाम अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। यदि बाहर जाना जरूरी हो तो सिर, कान और गले को अच्छी तरह ढककर रखें तथा गर्म कपड़े पहनें। डॉ. हरकीरत ने कहा कि बुजुर्गों, छोटे बच्चों और बीपी, शुगर व सांस संबंधी रोगों से ग्रसित मरीजों को ठंड से विशेष खतरा रहता है। ऐसे लोगों को नियमित रूप से गुनगुने पानी का सेवन करना चाहिए और ठंडी चीजों से परहेज करना चाहिए।

उचाना। यूरिया खाद लेने के लिए लाइन में लगे किसान। फोटो :हरिभूमि

उचाना मंडी में पहुंचे तीन हजार यूरिया बैग

उचाना। शनिवार को अनाज मंडी में खाद की सरकारी दुकान पर यूरिया खरीदने के लिए किसानों की लंबी कतारें देखी गईं। मंडी में 3 हजार यूरिया बैग पहुंचने के बाद किसानों को मेरी फसल मेरा ब्योरा पंजीकरण के आधार पर 20-20 बैग तक उपलब्ध कराए जा रहे हैं। हैफेड मैनेजर सत्यवीर ने बताया कि उचाना मंडी की सरकारी खाद-बीज की दुकान पर तीन हजार यूरिया बैग पहुंचे हैं। किसानों को लगातार यूरिया खाद उपलब्ध करवाया जा रहा है, ताकि उनकी आवश्यकता पूरी हो सके। इस समय किसानों को यूरिया खाद की अत्यधिक आवश्यकता है। गेहूं की फसल में पहला पानी लगाने के बाद और लगातार बढ़ रहे कोहरे के कारण गेहूं को यूरिया की जरूरत होती है। वितरण प्रक्रिया के तहत जिस भी किसान ने योजना के तहत पंजीकरण करवाया है, उसे अपने आधार कार्ड पर 20 बैग यूरिया दिए जा रहे हैं। किसान अपना आधार कार्ड लेकर दुकान पर पहुंच रहे हैं। किसान रामफल ने बताया कि उन्हें जैसे ही यूरिया खाद मिलने की सूचना मिली, वे तुरंत मंडी पहुंचे। उन्होंने पुष्टि की कि एक पंजीकरण पर 20 बैग दिए जा रहे हैं और किसानों को पर्याप्त मात्रा में यूरिया मिल रहा है।

कंपनी में इन्वेस्ट करवाकर 20 लाख रुपये हड़पे, मामला दर्ज

डिपोजिट में पैसे रखने से 4-5 प्रतिशत ब्याज देने का झांसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में कंपनी में इन्वेस्ट करवाकर किसान से 20 लाख रुपये हड़प लिए। कंपनी के डायरेक्टर और पार्टनर ने किसान को फिक्स डिपोजिट में पैसे रखने से 4-5 प्रतिशत ब्याज देने का झांसा दिया था। शुरू में इन्वेस्टर को हर महीने ब्याज दिया, ताकि इन्वेस्टर और ज्यादा पैसे लगा सके। कैथल के सजुमा गांव के विक्रम पाल ने बताया कि यह सारा मामला 2022 से शुरू हुआ। मेटा-एफ कंपनी के डायरेक्टर गौरव प्रताप, राम सरण, दिनेश मेहता और रणदीप ने मिलकर उसे फंसाया। उन्होंने दावा किया कि कंपनी को 18 महीनों के लिए पूंजी की जरूरत है। इसके बदले हर महीने 4 से 6 प्रतिशत रिटर्न मिलेगा।

32 हजार लगाने से की शुरुआतः आरोपियों ने आश्वासन दिया कि कंपनी इस पैसे का इस्तेमाल जमीन की खरीद और खनन के काम में लगाएगी। आरोपियों ने उसे कंपनी के डॉक्यूमेंट भी दिखाए। हालांकि बाद में जांच करवाने पर फर्जी पाए गए। उनकी बातों में आकर उसने करीब 32 हजार रुपए कंपनी में लगा दिए।

आरोपितों को खिलाफ 7 केस दर्ज

पुलिस ने शिकायत पर चारों आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इन आरोपितों पर जिला कुरुक्षेत्र में पहले ही 7 मामले दर्ज हैं। साथ ही हाईकोर्ट में भी केस चल रहा है। विक्रम पाल के साथ-साथ आरोपी कई लोगों से कंपनी में पैसे इन्वेस्ट करवाकर करीब 100 करोड़ की ठगी कर चुके हैं।

रानी तालाब चौक पर पुतला फूंकते अतुल चौहान व अन्य हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता।

रानी तालाब चौक पर फूंका अत्याचार का पुतला

जींद। जयति-जयित हिंदू महान संगठन और विभिन्न हिंदू संगठनों के सदस्यों ने शनिवार शाम को रानी तालाब पर एकत्र होकर पड़ोसी देश बांग्लादेश में हो रही हिंदुओं की निर्मम हत्या और अत्याचार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी की और बांग्लादेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अत्याचार का पुतला फूंका। हिंदू महान संगठन के राष्ट्रीय संयोजक अतुल चौहान ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं को चिन्हित करके उनकी निर्मम हत्या की जा रही है। जिहादियों द्वारा सरेआम हिंदुओं को सड़कों पर जलाया जा रहा है और हिंदू बहनों, बेटियों के साथ अमानवीय कृत्य किए जा रहे हैं। यह बिल्कुल असहनीय है। अतुल चौहान ने कहा कि बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। रोहिंग्या मुसलमानों को बांग्लादेश से निकाल कर वहां के हिंदुओं को सुरक्षित स्थान पर बसाया जाए। वो सरकार से अनुरोध करते हैं कि इस मामले में तुरंत संज्ञान लेकर ठोस कार्यवाही करें। हिंदू संगठनों का कहना है कि यदि बांग्लादेश सरकार ने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की तो यह मुद्दा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाया जाएगा।

पहले कंडम पड़ी बस को बनाया था, पहले की अपेक्षा ठहरने में होगी सुविधा

बस अड्डा में खाली कैंटीन को बनाया रैन बसेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जरूरतमंद लोगों को ठंड में रात के समय ठहरने के लिए जिला रेडक्रास सोसाइटी की ओर से बस स्टैंड परिसर में पहले रोडवेज बस की एक कंडम बस में अस्थायी रैन बसेरा बनाया गया था। अब बस की जगह बस स्टैंड परिसर में खाली पड़ी बड़ी कैंटीन मे अस्थायी रैन बसेरा बनाया गया है। ऐसे में यात्रियों को रात के समय पहले की अपेक्षा ठहरने में काफी सुविधा होगी। कंडम बस में जहां केवल दस यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था होती थी लेकिन अब बड़ी कैंटीन में दस से ज्यादा मुसाफिर रात को रुक सकेंगे। वहीं दूसरी बस रेलवे जंक्शन के बाहर अस्थाई रैन बसेरे के रूप में खड़ी की गई है। कड़ाके की ठंड में यात्रियों और जरूरतमंद मुसाफिरों को रात में आश्रय मिल सकेए इसके लिए रेडक्रास सोसाइटी और रोडवेज ने पहल करते हुए दो कंडम रोडवेज बसों को रैन बसेरे के रूप में परिवर्तित किया था। एक बस पहले वर्कशाप के पास खड़ी की गई थी। अब बस स्टैंड वाले अस्थाई रैन बसेरे को बड़ी कैंटीन में शिफ्ट कर दिया गया है। यहां मुसाफिरों के लिए बिस्तर रजाई और अन्य व्यवस्थाएं रेडक्रास सोसाइटी द्वारा की गई हैं। रोडवेज ने रैन बसेरे के लिए एक बस रेलवे जंक्शन के नार्दर्न रेलवे मेंस यूनियन कार्यालय के पास खड़ी की है ताकि रात के समय यात्री व अन्य जरूरतमंद लोग जरूरत पडऩे पर ठंड से बचने के लिए इन बसों में आश्रय ले सकें। अस्थायी रैन बसेरे में दो कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। रेलवे जंक्शन व बस स्टैंड पर रैन बसेरे की स्थापना से दूरदराज के यात्रियों को राहत मिलेगी। यहां कोई भी निशुल्क ठहर सकता है। यहां कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो आने वाले लोगों का नाम व आधार नंबर दर्ज करते हैं।

जींद। बस अड्डा पर खाली कैंटीन में बनाया गया रैन बसेरा। फोटो :हरिभूमि

अब बड़ी कैंटीन में बनाया

जींद डिपो के महाप्रबंधक राहुल जैन ने बताया कि रोडवेज ने बस स्टैंड परिसर में खड़ी कंडम बस में जो अस्थायी रैन बसेरा बनाया थाए उसमें बस स्टैंड परिसर में खाली पड़ी बड़ी कैंटीन में शिफ्ट कर दिया है। बड़ी कैंटीन में पहले की अपेक्षा ज्यादा मुसाफिर रात के समय आकर यहां ठहर सकेंगे। इसके अलावा रेलवे जंक्शन पर एक कंडम बस में अस्थाई रैन बसेरा बनाया गया हैए जहां कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। अस्थाई रैन बसेरे में जरूरतमंद लोग रात को आकर ठहर सकते हैं।

नौकरी का झांसा देकर सात लाख रुपये हड़पे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

दिल्ली अस्पताल में नौकरी दिलाने का झांसा देकर सात लाख हडपने पर उचाना थाना पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव अलीपुरा निवासी रीतू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी जान पहचान गांव उदयपुर निवासी जगदीश की पत्नी मुकेश तथा उसके भाई विक्रम से रही है। उन्होंने बताया कि जगदीश की अच्छी जान पहचान है। वह उसे दिल्ली अस्पताल में नौकरी लगवा देंगे। जिसकी एवज में आरोपितो ने सात लाख रुपये की डिमांड की। जिस पर उसने दो लाख रुपये मुकेश के खाते में डलवा दिए। चार लाख रुपये जगदीश के खाते में डलवाए गए। जबकि एक लाख रुपये नगद दिए गए। बावजूद इसके उसकी नौकरी नही लगा। जब उसने रुपये वापस मांगे तो वे आनाकनी करने लगे। जिसको लेकर पंचायत भी हुई। जिसमें आरोपितों ने 30 अगस्त तक का समय मांगा। बावूजद इसके राशि वापस नही दी गई। जब उन्होंने रुपयो को लेकर दबाव डाला तो आरोपितों ने रुपये लौटाने से मना कर दिया और बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। उचाना थाना पुलिस ने रीतू की शिकायत पर आरोपित जगदीश के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
नववर्ष विशेष 2026
रोहतक रविवार
28 दिसंबर 2025
P-1
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

नवारंभ का संदेश लेकर नववर्ष द्वार पर खड़ा है। उसका स्वागत हम पूरे उत्साह-उमंग के साथ अवश्य करें। साथ ही आगामी नववर्ष में न केवल अपने जीवन को, अपने से जुड़े लोगों, समाज और पर्यावरण को बेहतर बनाने का संकल्प भी जरूर लें। न केवल संकल्प लें, उसे क्रियान्वित करने के लिए भी समग्र ऊर्जा से सक्रिय रहें। तभी आगामी वर्ष में चहुंओर नवचेतना का संचार होगा।

आवरण कथा / कुमार राधारमण

नववर्ष में हम करें नवचेतना का संचार

वर्तमान साल बीत रहा है। नए साल ने दस्तक दे दी है। नया साल सिर्फ कैलेंडर का बदल जाना नहीं होता है। यह बीत रहे साल की समीक्षा का अवसर भी है। हम सबकी कुछ अच्छी और कुछ कड़वी यादें इससे जुड़ी होंगी। नया साल विगत की अनुकूल स्मृतियों को सहेजने, उसे नए साल में नई ऊंचाइयां देने का अवसर है। यह प्रतिकूलताओं से सबक लेने का मौका है। जीवन की हर घटना सीखने का अवसर भी होती है। हम सब कई बार चूकते हैं। हमारी चूक निराशा का कारण न बने, हम अपनी गलतियों से सीखें। इसी में वर्तमान का उल्लास भी है और भविष्य का सुनहरा स्वप्न भी।

बनाए रखेंगे सकारात्मक दृष्टिकोण: नया साल, नए उत्साह, नई संभावनाओं, नए सपनों और नए संकल्पों को नए पंख देने का अवसर है। जीवन में हमेशा एक नई शुरुआत संभव है। बीत रहा साल चाहे जैसा रहा हो, नए साल में हम अपनी कहानी फिर से लिख सकते हैं। हर नए दिन का उपयोग हम अपने लक्ष्य के करीब जाने के लिए कर सकते हैं। यह सकारात्मक सोच से ही संभव होगा, क्योंकि चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता तभी विकसित होती है। हर समस्या, अपना समाधान भी लिए होती है। इसलिए,

बीता साल जैसा भी रहा, उसे धन्यवाद दें कि हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण प्रसंग उपस्थित हुआ। धन्यवाद इसलिए कि बीते साल की सफलताओं ने हमको आत्मविश्वास दिया, खुशियां दीं और असफलताओं ने हमको मजबूत, संवेदनशील और समझदार बनाया।

प्रकृति नित नूतन है। यह नूतनता पुराने के प्रति आग्रह छोड़ने का निमंत्रण है। विगत चाहे स्वर्णकाल रहा हो, हमारी आज की चुनौतियां नई हैं और हमें आज की परिस्थितियों में निखरने के लिए हमेशा अपने मन के द्वार नए के लिए खुले रखने होंगे। विकास की यही परिभाषा है। सिर्फ व्यापार को ही नहीं, मन को भी मुक्त करने की जरूरत है। सभी समस्याओं की जड़ भूत और भविष्य से बंधा हमारा मन ही है, जबकि चुनौतियां वर्तमान की हैं। मुक्त मन समावेशी तो होता ही है, दूसरों की मुक्ति के द्वार भी खोलता है।

सीखेंगे नित नए कौशल: तेजी से बदलती इस दुनिया में निरंतर सीखना और अपना कौशल विकास करते रहना जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अकसर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना भी हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत होगा, पुरानी कड़वाहट दूर होगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मन हल्का और खुश रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।

तन-मन का रखेंगे ध्यान: स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं। संतुलित आहार और पर्याप्त नींद भी हमारे संकल्प का हिस्सा हो। मौजूदा उन्मादी दौर में मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन सीखना और सकारात्मक मानसिकता विकसित करना आधुनिक जीवन की आवश्यकता है। हर हाल में अच्छाई खोजना और आशावादी रहना जीवन को रूपांतरित कर देता है। हम सक्षम हैं और सफल होने के योग्य हैं, यह विश्वास सदा बना रहे। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन है कि न तो सफलता अंतिम होती है, न असफलता घातक होती है, असली बात यह है कि आपमें जारी रखने का साहस है या नहीं।

धनार्जन भी है जरूरी: धन भी महत्वपूर्ण है। गरीब रखने वाली विचारधारा से दूर रहें। वित्तीय लक्ष्य तय करें। बचत और निवेश बुद्धिमत्तापूर्वक करें। अनावश्यक खर्चे कम करना भी धन अर्जित करना ही है। लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयास वर्तमान को जाया न कर दें। भविष्य

अनिश्चितताओं से भरा है। अगली पीढ़ी के लिए सब सोचना आपका ही दायित्व नहीं है, अगली पीढ़ी खुद भी अपने लिए करेगी ही। आप अपने वर्तमान को स्वर्णिम बनाएं। जब आप खूब धन कमा लेंगे, एक दिन वही धन ऊब पैदा करने लगेगा। भौतिक धन परमधन को पाने का साधन मात्र रहे। पावर ऑफ मेनिफेस्टेशन का उपयोग केवल धन को आकर्षित करने के लिए न करें। हमारे पास जो कुछ भी है, उसके प्रति कृतज्ञता से जीवन में अच्छाई को आकर्षित करना भी सीखें।

रहेंगे खुद के करीब: समय धन से भी अधिक कीमती है। इसका सदुपयोग करें। आलस्य छोड़ें, तभी हम अधिक उत्पादक और सफल बन पाएंगे। आलस्य छोड़ने का मतलब हर समय व्यस्त रहना नहीं है। आराम और मनोरंजन भी महत्वपूर्ण हैं। संतुलन चाहिए। आत्म-प्रेम समग्र विकास के लिए जरूरी है। अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए समय निकालना हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है। लिहाजा, रोजमर्रा के जीवन में कुछ पल ऐसे जरूर हों, जो नितांत निजी हों, जिसमें मोबाइल की भी दखल न हो। अपने लिए, समय निकालना जरूरी है। लेकिन यह औरों के बनाए रील्स देखने के लिए न हो। यह समय अपनी पसंद के काम करने, किताबें पढ़ने, संगीत सुनने, ध्यान करने या प्रकृति से जुड़ने का हो जो हमको तरोताजा कर दे।

समाज-पर्यावरण का रखेंगे ध्यान: सभ्य नागरिक अपने समाज और पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार होता है। हमारी पृथ्वी रहने लायक बनी रहे, आने वाली पीढ़ियों के लिए हम आदर्श बनें, नया साल इस संकल्प से भरने का समय भी है। जरूरतमंदों की मदद और सामाजिक कार्यों में भागीदारी आंतरिक संतुष्टि देती है। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें और नई चीजें आजमाने का साहस रखें। जीवन एक साहसिक यात्रा है और नए अनुभव हमें जीवंत और उत्साहित रखते हैं। सच्ची खुशी और संतुष्टि अनुभव, रिश्ते और भीतरी शांति ही देती है।

शांति के लिए करेंगे प्रयास: इस समय दुनिया भर में राजनीतिक और आर्थिक कारणों से अस्थिरता, अनिश्चितता का माहौल है। भय और चिंता के इस परिदृश्य में, अंतर्मंथन की जितनी जरूरत आज है, पिछले कुछ दशकों में शायद ही रही हो। युद्धों की आहट अनेक आशंकाएं पैदा कर रही हैं। हमारी वास्तविक जरूरत शांति है। शांत मन ही गहरी से गहरी समस्या का सम्यक समाधान तलाश सकता है और एक बेहतर जीवन की ठोस आधारशिला तैयार कर सकता है। विश्व शांति किसी धर्म या हथियार से नहीं, बल्कि जागरूकता से, हृदय से आ सकती है और उसका मार्ग ध्यान है। इसी से मनुष्य, मनुष्य से जुड़ा महसूस करेगा। प्रतिकूल समय में ही ज्ञान, धर्म, साहस और ऊर्जा की परीक्षा होती है। असली ज्ञान, ऊर्जा, धर्म और पराक्रम यह है कि हम जहां भी हों, वहां के आस-पास की प्रकृति कोमल हो जाए। हम जिनके बीच रहें, उनकी भलाई स्वतः प्रकट होने लगे। हमारे भीतर इतनी गहरी शांति उतर आए कि सबके प्रति एक स्वीकार भाव हो। हम इसके लिए अपने स्तर पर अवश्य प्रयास करेंगे, ऐसा संकल्प जरूर लें। तब निश्चय ही आगामी वर्ष खुशहाली से भरपूर होगा। *

विशेष : वैश्विक परिवार दिवस, 1 जनवरी

वर्ष का पहला दिन यानी 1 जनवरी को पूरी दुनिया में ग्लोबल फैमिली-डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य परिवार की महत्ता को समझना और पारिवारिक प्रेम-सौहार्द की भावना को व्यक्तिगत जीवन से लेकर समाज, देश ही नहीं पूरे विश्व में प्रसारित करना है।

व्यक्तिगत से वैश्विक कुटुंब तक बना रहे प्रेम-सौहार्द-शांति

आह्वान / शिखर चंद जैन

हर वर्ष 1 जनवरी को ग्लोबल फैमिली-डे यानी वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को एक बड़े वैश्विक परिवार के रूप में जोड़ने के साथ ही उनमें शांति, एकता, प्रेम और सौहार्द के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है।

भारत की प्राचीन अवधारणा: हमारे देश में तो प्राचीन काल से ही 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को महत्व दिया जाता रहा है। लेकिन आधुनिक विश्व में ग्लोबल फैमिली-डे मनाने की शुरुआत, संयुक्त राष्ट्र के 'शांति के एक दिन' की विचारधारा से हुई थी। इसे देश, धर्म या नस्ल की सीमाओं से परे सभी लोगों द्वारा मिलकर मनाया जाता है। इस प्रकार यह दिन प्रेम और सद्भाव फैलाने पर जोर देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम सब एक वैश्विक गांव के ही सदस्य हैं और हमें सभी मतभेदों को भुलाकर एक परिवार की तरह रहना चाहिए। इसके तहत सभी को प्रेम, शांति और सौहार्द के साथ रहना सिखाया जाता है। दुनिया में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना और युद्ध-हिंसा से बचाना इसका मूल उद्देश्य है।

कब-कैसे हुई शुरुआत: वैश्विक परिवार दिवस मनाने का विचार पिछली सदी में एक किताब से आया था। इसकी शुरुआत 1990 के दशक के अंत में हुई, जब 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2000 को 'शांति की संस्कृति के लिए अंतरराष्ट्रीय दशक और विश्व के बच्चों के लिए अहिंसा' के रूप में घोषित किया। इस अवधारणा को स्टीव डायमंड और एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित बच्चों की एक किताब 'वन डे इन पीस, जनवरी 01, 2000' से प्रेरणा मिली। इस कहानी में एक ऐसी दुनिया की कल्पना की गई थी, जहां लोग 1 जनवरी को अपने सभी मतभेदों को एक तरफ रख देते हैं और भाईचारे की भावना का जश्न मनाते हैं। इसने 'शांति का एक दिन' समारोह की शुरुआत की। 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को शांति लाने के लिए वर्ष का पहला दिन समर्पित करने का औपचारिक निमंत्रण मिला। 2001 में, संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर इस दिन को मान्यता दी, और तब से हर साल 1 जनवरी को यह दिवस मनाया जाता है।

मनाती है पूरी दुनिया: वैश्विक परिवार दिवस का उत्सव भौगोलिक सीमाओं से बंधा नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक उत्सव है। इसे किसी एक देश का पर्व मानने के बजाय, मानवता के प्रति एक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस सरल, सार्थक कार्यों के बारे में ध्यान आकर्षित करता है, जो घर परिवार से लेकर वैश्विक एकता की भावना को दर्शाता है।

परिवार के संग मनाएं यह दिन: यह दिन संघर्षों को भूलकर, एक-दूसरे के प्रति आभार व्यक्त करने और प्रेम फैलाने पर जोर देता है। इस पूरे दिन आप अपने परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। इसके लिए परिवार के सदस्य एक साथ भोजन कर सकते हैं, कोई सामूहिक खेल, खेल सकते हैं या एक-दूसरे से बात करते हुए अच्छा समय गुजार सकते हैं। आप चाहें तो इस दिन को सामुदायिक सेवा के लिए स्वयंसेवा करके या वैश्विक स्तर पर शांति के लिए काम करने वाली संस्थाओं के लिए श्रमदान करके भी मना सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने ग्लोबल मित्रों की विभिन्न संस्कृतियों, उनकी परंपराओं, व्यंजनों या कहानियों को साझा करके वैश्विक विविधता की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस से अलग: हालांकि इस दिन को मनाने की शुरुआत मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई, लेकिन इसे अब दुनिया भर के लगभग हर देश के परिवारों द्वारा मनाया जाता है, जिसमें हर देश और संस्कृति के लोग शामिल होते हैं। इससे मिलता-जुलता एक और महत्वपूर्ण दिवस अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (इंटरनेशनल डे ऑफ फैमिलीज) भी है, जो हर साल 15 मई को मनाया जाता है, इसे भी संयुक्त राष्ट्र ने ही घोषित किया था और यह भी परिवार के महत्व पर केंद्रित है। *

कविता / राजेंद्र श्रीवास्तव

एक वर्ष फिर बीत गया

बीते वर्षों जैसा ही कुछ, एक वर्ष फिर बीत गया।
कभी हृदय खिल उठा पुष्प-सा,
और कभी गुपचुप रोया।
कभी सफलता स्वयं आ गई,
कभी स्वर्ण-अवसर खोया।
आता-जाता रहा वक्त भी
अपने ही रथ पर चढ़कर,
कालचक्र की उथल-पुथल में यह जीवनघट रीत गया।
हर्ष, शोक, संघर्ष, समन्वय,
सुख-दुख, धूप-छांव जैसे।
कुछ दिन बीते खुशहाली में,
बीते कुछ जैसे-तैसे।
दांव-पेच षड्यंत्रों का भी
खेल सीखने विवश हुआ,
जीता कभी किसी से मैं या, कोई मुझसे जीत गया।
जब-जब स्वर गीतों-गजलों के
मेरे होंठों पर आए।
लय तब कहीं अधूरी पाई
वाद्ययंत्र बिगड़े पाए।
हारा नहीं आत्मबल लेकिन
कोई जतन सफल होगा,
बिगड़े साजों से रच दूंगा, मैं कोई संगीत नया।

व्यंग्य / अंशुमाली रस्तोगी

ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं।

ठंड और चोर

इन दिनों ठंड आतंक मचाए हुए है। रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं करता। न नहाने का दिल करता है। जी करता है, पूरे टाइम रजाई में सिकुड़े पड़े रहो। लेकिन मैं दाद देता हूं उन चोरों को, जो भीषण ठंड में भी चोरी कर रहे हैं। ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं। पापी पेट क्या-क्या नहीं करवा लेता। आज के जमाने में चोरी करना पाप कैसे कहा जा सकता है!

बदलते समय के साथ चोरी के तरीके भी काफी बदल गए हैं। कुछ चोरियां अब ऐसी भी हैं, जिनके लिए घर से बाहर निकलना ही नहीं पड़ता। वे घर बैठे-बैठे ही हो जाती हैं। ऑनलाइन ठगी (चोरी) में कहीं जाने की जरूरत नहीं। कहीं से भी बैठकर किसी के भी बैंक खाते से रुपए उड़ाए जा सकते हैं। ये चोर बेहद शातिर होते हैं। बातें बनाकर फंसाने में माहिर होते हैं। इधर सावधानी घटी, उधर काम तमाम हुआ। लेकिन ऑनलाइन चोर पारंपरिक चोरों की तरह मेहनती नहीं होते। माना कि ऑनलाइन चोरी में मुनाफा अधिक है किंतु जमीनी अनुभव न के बराबर है। ऐसी चोरी भला किस काम की, जिसमें हाथ-पैर न हिलाने पड़ें।

अब तो पारंपरिक चोरों ने भी ऑनलाइन चोरी का रास्ता पकड़ लिया है। वे भी अधिक मेहनत करने से कतराने लगे हैं। चोरी की लाइन में नई पीढ़ी जो आ रही है, उसका झुकाव ऑनलाइन ठगी की तरफ ज्यादा है। चोरी के नए-नए तरीके उसने ईजाद कर लिए हैं। फोन पर लोगों को उल्लू बनाकर खाते से पलभर में रुपया सफा-चट कर रहे हैं।

लेकिन मुझे तो जमीन से जुड़े पारंपरिक चोर ही अधिक पसंद हैं। वे चोरी करते हैं तो लगता है कि वास्तविक चोरी हुई है। चोरी की रपट लिखी जाती है। पुलिस मौका-ए-वारदात पर पहुंचती है। चोरी गई चीजों का हिसाब-किताब लगाया जाता है। ध्यान रहे, चोरी में गहने जरूर चुरते हैं। नकदी पर भी हाथ साफ किया जाता है। घर वालों, आस-पड़ोस, नौकर-चाकर से पूछताछ होती है। खबर अखबारों में छपती है। चार जन चाय और पान के खोके पर चर्चा करते हैं। मोहल्ले में दहशत का सा माहौल बनता है। चोरी होने वाले घर का दूर-दूर तक नाम होता है। कुछ भी कहिए, सीन पारंपरिक चोरी में ही बनता है।

विकट ठंड में चोरी कंपकंपी छुड़ा देती है। मगर पापी पेट की खातिर उन्हें यह करना पड़ता है। आखिर उनका भी परिवार है। उन्हें भी अपने शौक पूरे करने हैं। बीवी की पसंद और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का भी ध्यान रखना है। चोरों का भी दिल होता है। मैंने कहानियों में कई ऐसे चोरों के बारे में सुन रखा है, जो चोरी की कमाई गरीबों में बांट दिया करते थे। कभी निम्न वर्ग को परेशान नहीं करते थे। उनके टारगेट पर हमेशा धन्नासेठ ही रहा करते थे। कितने दयावान चोर थे वे। मेरा मानना है कि चोरी करना, कविता या व्यंग्य लिखने से कहीं कठिन काम है। जितनी अक्ल चोरी करने में लगानी पड़ती है न, उतनी गणित के सवाल हल करने में नहीं। लेकिन लोग हैं कि चोरों को हमेशा बद-दुआएं देते हैं। कभी उनका आदर-सम्मान नहीं करते। चोर हैं तो क्या, इंसान तो वे भी हैं। इतना तय है कि धरती से जैसे भ्रष्टाचार कभी नहीं मिट सकता, वैसे ही चोरी भी कभी खत्म नहीं हो सकती। चोरों में भी नई-नई नस्लें आती रहेंगी। नए-नए तरीके चोरी के ईजाद किए जाते रहेंगे परंतु चोरियां खत्म कभी न होंगी। ठंड के मौसम में चोरी करना निश्चित ही कर्रा काम है। मेरे विचार में ऐसे वीर चोरों को कोई न कोई पुरस्कार भी जरूर मिलना चाहिए! नहीं क्या...! *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे **L4-L5, L5-S1**, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

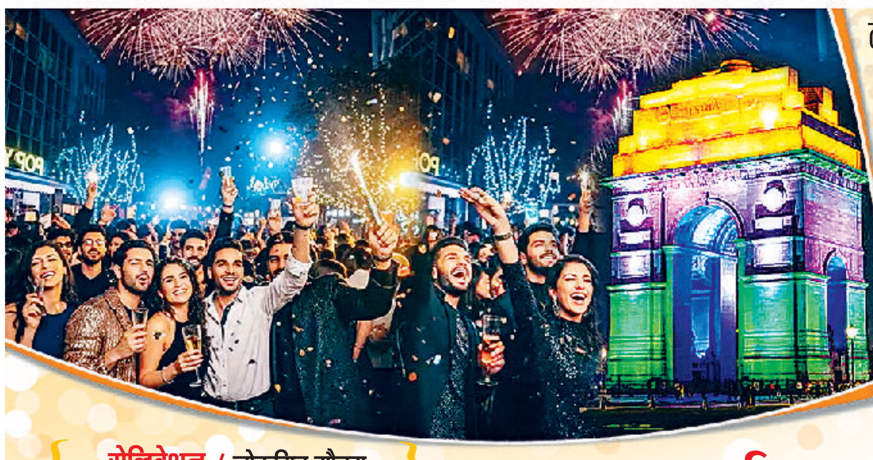

बीत रहे साल की विदाई और नए साल के स्वागत का जश्न पूरी दुनिया में उत्साह-उमंग से मनाया जाता है। अपने देश में भी न्यू ईयर ईव को पूरे जोश-ओ-खरोश के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। देश के अलग-अलग स्थानों, खासकर टूरिस्ट प्लेसेस पर कैसी हो रही न्यू ईयर ईव के जश्न की तैयारी, आप जरूर जानना चाहेंगे।

सेलिब्रेशन / लोकमित्र गौतम

न्यू ईयर ईव का जश्न हो रही तैयारी जोरदार

साल 2025 विदा होने वाला है। इसके साथ ही नया साल 2026 आने के लिए तैयार है। बीते साल की विदाई और नए साल के स्वागत में पूरी दुनिया में दिसंबर माह के आखिरी सप्ताह में जश्न का माहौल रहता है। अपने देश में भी क्रिसमस के बाद सड़कों पर शाम होते ही रोशनी जगमगाने लगती है। बाजारों में चहल-पहल बढ़ जाती है और हर जगह अलविदा-ए-जश्न के रंग-बिरंगे पोस्टर चस्पा हो जाते हैं। वास्तव में अब नए वर्ष का स्वागत, धर्म-समुदाय से ऊपर उठकर साझे जश्न का पर्व बनकर उभरा है। यही कारण है कि उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक दुनिया के हर कोने में 31 दिसंबर की रात जश्न की रात होती है। हर साल की तरह इस साल भी नए साल के स्वागत में जश्न मनाने के लिए तैयार देश के कई शहर खासतौर पर तैयार हो रहे हैं।

दिल्ली हेरिटेज स्टाइल का सेलिब्रेशन: दिल्ली की सर्दी और न्यू ईयर के जश्न का जादू एक ऐसा सदाबहार कॉम्बिनेशन है, जिसका कहीं से कोई मुकाबला नहीं। इंडिया गेट के आस-पास होने वाले लाइट शो, राजपथ के कैफे में थीम नाइट्स और फाइव स्टार होटलों में क्लासिक फ्यूजन, न्यू ईयर ईव डिनर, सब सेलिब्रेशन मोड पर पहुंच चुके हैं। दिल्ली की खासियत है, यहां लोगों की गैदरिंग और

पसंद के हिसाब से हर तरह की पार्टियों का आयोजन किया जाता है। चाहे रॉयल हो या आधुनिक, शांत या उत्साह के शोर से भरपूर। यहां न्यू ईयर ईव के जश्न का हर रंग मौजूद होता है। जिसे यहां आकर ही फील किया जा सकता है।

गोवा सजने-संवरने लगे हैं सी-बीच: गोवा के समुद्रतटों पर नए साल के जश्न की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि गोवा की सागरतटीय रेत, इस बार भी विदाई पार्टियों की राजधानी बनेगी। अलग-अलग स्पेशल शोज के साथ निजी बीच क्लबों की झूमती डीजे नाइट्स की टिकटें रिकॉर्ड बुकिंग के साथ बीते सालों की तरह अपने मेहमानों का इंतजार कर रही हैं। लहरों पर लरजती रोशनी, रात भर मस्ती के आलाप में मगन रहने वाली धुनें और समुद्र के किनारे का काउंटडाउन, यही है गोवा के न्यू ईयर ईव के जश्न का जलवा। गोवा प्रायः हर साल ही देश में खासतौर पर जश्न-ए-विदाई का मेन सेंटर बन जाता है।

मुंबई सपनों के शहर में शानदार स्वागत: गेट वे ऑफ इंडिया की भव्य लाइटिंग, मरीन ड्राइव के किनारे लोगों का हुजूम और क्लबों में थिरकती थीम पार्टियां। मुंबई 2025 की विदाई के लिए क्रिस्टल काउंटडाउन थीम डिसाइड की गई है। न्यूऑन सेटअप, हाई वोल्टेज म्यूजिक और मध्य रात की आतिशबाजियां मिलकर, इस शहर की तेज रफ्तार

जिंदगी को कुछ और ही रहस्यमयी रौनक से लबरेज करती हैं। यहां सिर्फ पार्टियां ही नहीं होतीं, एक ग्लोबल तेवर के साथ नए साल का सेलिब्रेशन भी संपन्न होता है।

पुडुचेरी सौम्य-संस्कारों भरी विदाई: जो लोग शांति और सौम्यता में खुशी का एहसास करना चाहते हैं, उनके लिए उपयुक्त जगह है पुडुचेरी। पुडुचेरी भी साल 2025 की विदाई पार्टियों की तैयारी जोर-शोर से पूरी करने में लगा है। फ्रेंच क्वार्टर्स में जैज नाइट्स, आश्रमों में मेडिटेशन संध्या और रॉक बीच पर कैंडल-लिट-वॉक, ये सब यहां की न्यू ईयर हलचल को एक अलग ही रंग देते हैं। यहां का जश्न उन लोगों की पहली पसंद होता है, जो साल का स्वागत शोर से नहीं, अपने भीतर की गूंजती शांति और दमकती आभा के साथ करना चाहते हैं।

शिमला-मनाली बर्फ की चादर में खुशियों के रंग: उत्तर भारत के पर्वतीय शहरों में शिमला जैसा नए साल के उत्सव का जलवा किसी दूसरे शहर को नसीब नहीं है। इस बार यहां स्नो फेयरवेल नाइट्स की जोरदार तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। शिमला का ही एक्सटेंशन मनाली को माना जाता है। इसलिए इसे शिमला-मनाली जश्न की संज्ञा दी जाती है। यहां 31 दिसंबर की रात अकसर बर्फबारी होती है और यही इस जश्न का क्लाइमेक्स होता है। बर्फबारी के बीच अलाव, मध्यम संगीत और लग्जरी कैंप, मनाली-शिमला जश्न के रंग बिल्कुल अलग हैं। यहां न्यू ईयर की पार्टियों का जश्न दिलों में गमाईश भरता है, जिसे शब्द बयां नहीं कर सकते।

बैंग्लुरु तारों की छांव में संगीतमय विदाई: हाल के वर्षों

में बैंग्लुरु युवाओं का शहर कहा जाने लगा है और यह हर बार पुराने नियम तोड़कर नए नियम गढ़ता है। इस बार भी इसकी नए साल के जश्न की तैयारी भरपूर हो चुकी है। देश के सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले इस शहर में ओपन एयर वेन्यू और रूफ टॉप्स पर इंटी बैंड्स पार्टियों की भरपूर तैयारी है। लाइव डीजे सेट, क्राफ्ट ब्रुअरी नाइट की तैयारियां अपने चरम पर हैं। टेक सिटी का यह अंदाज यहां आने वाले मेहमानों को याद दिलाता है कि नया साल सिर्फ पार्टी नहीं, एक नया और युवा जोश का जश्न है। *

तब न्यू ईयर बन जाएगा हेल्दी-हैप्पी-सक्सेसफुल

नया साल शुरू होने में कुछ ही दिन बचे हैं। आप जरूर सोच रहे होंगे कि आने वाले साल में ऐसा क्या करें, जिससे पूरा साल आपके लिए हेल्दी, हैप्पी और सक्सेसफुल साबित हो। हम दे रहे हैं, इससे रिलेटेड सजेशंस।

सजेशन / अंजू जैन

जाता हुआ साल हमारे मन में कुछ शिकायतें और अधूरी उम्मीदें छोड़ जाता है। बीता हुआ वक्त तो वापस आ नहीं सकता, इसलिए उसके बारे में सोचकर परेशान होने की बजाय हम बीते साल की कमियों और गलतियों की समीक्षा करें और आने वाले साल उन्हें सुधार लें तो हम नव वर्ष को हैप्पी बना सकते हैं।

रिलेशनशिप में बनी रहे गर्माहट

हमारे इर्द-गिर्द रहने वाले मित्र, परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, सहकर्मी, सहपाठी, बिजनेस पार्टनर और पड़ोसी आदि हमारे जीवन को काफी हद तक प्रभावित करते हैं। इन सारे रिश्तों पर सरसरी तौर पर नजर डालें और समीक्षा करें। विचार करें कि आपने इनके लिए पूरे साल क्या किया और बदले में उन्होंने आपके साथ कैसा व्यवहार किया?

एक्शन: नए साल में इन सारे रिश्तों को आप प्राथमिकता के आधार पर कैटेगराइज करें। जिनसे आपको नेगेटिव रिएक्शन मिला, उन्हें सबसे निचले पायदान पर रखें। सहयोगी, स्नेहिल और केयरिंग लोगों को सर्वोच्च प्राथमिकता की श्रेणी में रखें। तय कर लें कि इस साल आपको सिर्फ पॉजिटिव एटीट्यूड और सपोर्टिंग नेचर वाले रिलेशंस को मेंटेन करने में ही अपनी एनर्जी का उपयोग करना है। इससे आप साल भर इमोशनली खुश रहेंगे, आपका सपोर्ट सिस्टम स्ट्रॉन्ग होगा और रिश्ते भी इंप्रूव होंगे।

फिजिकल-मेंटल हेल्थ का रखें ध्यान

अपनी हेल्थ को लेकर खुद से कुछ बुनियादी सवाल पूछें। आपने अंतिम बार कब अपना बीपी चेक करवाया था? आपके हार्ट की हेल्थ का क्या हाल है? क्या आप मॉर्निंग वॉक, वर्कआउट या किसी फिजिकल एक्टिविटी में इंवॉल्व हैं? क्या आपको रात को ठीक से नींद नहीं आती है? इन सवालों के जवाब ईमानदारी से दें और अगर जवाब निराशाजनक हैं, तो अब आपको एलर्ट हो जाना चाहिए।

एक्शन: इस बात का इंतजार न करें कि आपको बड़ी बीमारी घेर ले। ज्यादा देर न करके साल की शुरूआत में ही अपने जनरल फिजिशियन से मिलें और अपना हेल्थ चेक करवाएं। पक्का निश्चय कर लें कि आप रोज 30 मिनट किसी न किसी प्रकार की फिजिकल एक्टिविटी में जरूर इंवॉल्व होंगे। स्मार्टफोन का सीमित और जरूरी प्रयोग करेंगे और नशे से दूर रहेंगे। मेडिटेशन से मानसिक स्वास्थ्य भी दुरुस्त रखेंगे।

फाइनेंस इश्यूज को ना करें इग्नोर

हर नए साल में आपको चाहिए कि आप अपनी वित्तीय स्थिति पर गंभीरतापूर्वक विचार करें। वित्तीय रूप से सुरक्षित भविष्य के लिए फाइनेंस इश्यूज को इग्नोर ना करें।

एक्शन: फाइनेंस से जुड़े अपने कमजोर पहलुओं को समझें। इस साल के लिए कुछ वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करें और उन्हें हासिल करने की प्लानिंग भी बनाएं। घर में सबके लिए हेल्थ इश्योरेंस और अपने लिए रिटायरमेंट प्लान सुनिश्चित करें।

करियर को दें नई दिशा

अगर बीते साल आपका करियर आपकी उम्मीदों के मुताबिक परिणाम देने वाला नहीं रहा। आपकी नई जॉब पाने की कोशिशें असफल हो गईं। ऐसे में वक्त है एलर्ट होने का।

एक्शन: नए साल में आपका करियर और आत्मविश्वास डांवाडोल न रहें, इसके लिए सबसे पहले खुद को अपडेट करें। अपने प्रोफेशन से जुड़ी नवीनतम जानकारियां हासिल करें। कोई नई स्किल सीखें। अपनी पर्सनालिटी में निखार लाएं। कम्यूनिकेशन स्किल इंप्रूव करें। अपना रेज्यूमे अच्छी तरह से दोबारा तैयार करें। लगातार जॉब हंटिंग करते रहें। अपने बॉस और कलीग्स के साथ रिश्तों को सुधारें।

सबसे जरूरी है आत्मसंतुष्टि

अगर आपने पूरा वक्त सिर्फ दूसरों को खुश करने में बिता दिया तो समझ लीजिए कि आपने जिंदगी को बिताया है, जिया नहीं है। जिंदगी आपकी है, इसलिए आपको खुद को खुश करने का पूरा हक है।

एक्शन: हर रोज कम से कम दो घंटे अपनी खुशी के लिए कुछ करें। चाहे वह आपकी हॉबीज को अटेंड करने की बात हो या फिर अपने अरमान पूरे करने की। हर किसी को खुश करने की आदत छोड़ें और सिर्फ उनकी परवाह करें जिनके नाराज होने से आपको वाकई फर्क पड़ता हो।

बस, इन बातों का ध्यान रखकर, इन्हें अमल में लाकर आप अपने नए साल को खुशहाल बना सकते हैं। *

किसी देश की तरक्की मापने का एक पैमाना यह भी होता है कि उस देश ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कितनी तरक्की की है? भारत के लिए विज्ञान-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में स्वर्णिम उपलब्धियों से भरा रहा साल 2025। इस वर्ष देश की उपलब्धियों पर एक नजर।

साइंस और टेक्नोलॉजी-2025 साल की शानदार अचीवमेंट्स

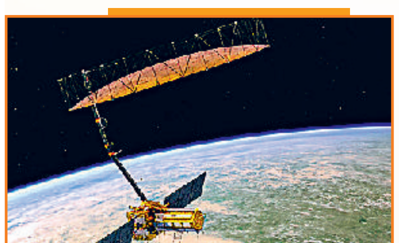

साइंस-टेक / संजय श्रीवास्तव

इस साल हमने दुनिया को यह दिखा दिया कि विज्ञान, तकनीक और उससे जुड़े क्षेत्रों में प्रगति के मामले में हम किसी के कम नहीं। इस साल देश ने विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण तथा कृषि जैसे क्षेत्रों में जो उपलब्धियां हासिल कीं वे अभूतपूर्व हैं। भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा संबंधित क्षेत्रों में जिस तरह प्रगति कर रहा है, जल्द ही वह संसार के चुनिंदा विकसित देशों की बराबरी करने लगेगा। बेशक इसमें सरकार की नीतियों, हमारे वैज्ञानिकों और संस्थाओं का सम्मिलित प्रयास शामिल है लेकिन हमें अपने शिक्षा संस्थानों का योगदान भी नहीं भूलना चाहिए।

शुभांशु शुक्ला ने किया गौरवान्वित: शुभांशु शुक्ला इस वर्ष देश ही नहीं, दुनिया भर में चर्चा के केंद्र में रहे। एक्सिओम-4 मिशन का हिस्सा बने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने।

युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोर: इस बार राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय था, 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व हेतु भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना'। यह देखना सुखद था कि सरकार ने इस नारे के उद्देश्य को जमीन पर उतारा तथा युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोर दिया। इसके चलते नवाचारों में उल्लेखनीय बढ़त दिखी। सरकार का सबसे ज्यादा जोर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, एआई तथा अन्य महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों पर रहा। सरकार ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और सामरिक आत्मनिर्भरता हासिल करने, अपनी चिप विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए भी भारी निवेश इस वर्ष किया।

नवाचार की दिशा में बढ़े कदम: एआई और स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए इस साल कई नीतियां और प्रोत्साहन कार्यक्रम लागू किए गए। एसईआरबी का नाम बदलकर 'विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड और नवाचार', यानी 'एसआरबीआई' कर दिया गया। अब यह अकादमिक अनुसंधान को वित्तपोषित करने के साथ-साथ बाजार-आधारित नवाचारों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसका नतीजा भी इसी साल दिखा, देश ने अंतरिक्ष मिशनों के लिए डिजाइन किया अपना पहला स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर 'विक्रम 32' विकसित और प्रदर्शित किया गया। यह उपलब्धि देश को सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाएगा। इससे देश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और रक्षा प्रणालियों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में वैश्विक खिलाड़ी के रूप में स्थापित हो सकेगा।

इसरो की उल्लेखनीय उपलब्धियां: हर साल की तरह अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित होने के कई अवसर दिए। इसरो ने इस वर्ष की शुरुआत में 16 जनवरी को, अपना पहला ऑन-ऑर्बिट डॉकिंग प्रयोग स्पेडेक्स सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसके तहत लगभग 28,400 किमी प्रतिघंटा की गति से यात्रा करने वाले दो उपग्रहों को साथ लाकर डॉक किया। ऐसा करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन गया। 30 जुलाई को जीएसएलवी एफ 16 रॉकेट के माध्यम से नासा इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार, निसार उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया जो पृथ्वी अवलोकन उपग्रह आपदा प्रबंधन, पारिस्थितिकी तंत्र निगरानी और जलवायु परिवर्तन के अध्ययन में मदद करेगा। अभी कुछ ही दिन पहले अमेरिका के करीब छह टन वजनी संचार उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। कुल मिलाकर भारत को वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में और मजबूत करने वाले इसरो ने 2025 में 200 से अधिक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं।

डीआरडीओ ने बढ़ाई रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता: रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और टाटा जैसे स्वदेशी तकनीकी स्टार्टअप्स ने मिलकर रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की। इन उपलब्धियों ने थलसेना, वायुसेना और नौसेना की परिचालन क्षमताओं को काफी बढ़ाया। 2 दिसंबर 2025 को डीआरडीओ ने सशस्त्र बलों को घरेलू स्तर पर विकसित सात प्रौद्योगिकियां सौंपीं। टाटा-डीआरडीओ ने जल, थल दोनों पर चलने वाला बख्तरबंद वाहन विकसित किया है, इसके द्वारा विकसित इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित हथियार प्रशिक्षण प्रणाली और युद्ध सिमुलेशन ने प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बना दिया। डीआरडीओ ने वायु सेना के लिए एयरबोर्न सेल्फ-प्रोटेक्शन जैमर हेतु स्वदेशी हाई-वोल्टेज बिजली आपूर्ति प्रणाली विकसित किया। भारतीय नौसेना को डीआरडीओ ने ऐसी समुद्री जल बैटरी प्रणाली सौंपी है कि वह पानी के भीतर लंबी अवधि तक रह सकती है।

तकनीकी क्षेत्र में अन्य उपलब्धियां: आईआईटी मुंबई के शोधकर्ताओं ने इस वर्ष देश का पहला स्वदेशी 'क्वांटम डायमंड माइक्रोस्कोप' विकसित किया, जो सूक्ष्म चुंबकीय क्षेत्रों का सटीक पता लगाने में सक्षम है। यह क्वांटम प्रौद्योगिकी के वैश्विक विकास में भारत के योगदान को मजबूत करता है। नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग ने भी इस साल उल्लेखनीय प्रगति की है।

कृषि क्षेत्र में इस साल एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी तकनीक का इस्तेमाल कर प्रेसिजन एग्रीकल्चर और जीन एडिटिंग, बायोफोर्टिफाइड बीज आधारित खेती को व्यापक रूप से अपनाया गया। इससे फसलों की पैदावार बढ़ेगी तो पानी जैसे कृषि संसाधनों की खपत में कमी आएगी। कुल मिलाकर यह कह सकते हैं कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बीता साल बहुत उत्साहवर्धक और प्रेरक रहा। *

बॉलीवुड-2025 / कैलाश सिंह

इस साल थिएटर-ओटीटी पर किन फिल्मों ने मचाया धमाल

बीत रहे साल में जहां कुछ फिल्मों ने उम्मीद से अधिक सक्सेस हासिल की, वहीं कुछ बिग बजट-बैनर की फिल्में भी कोई कमाल नहीं दिखा सकीं। फिल्मों के प्रति दर्शकों के टेस्ट में आए बदलाव की वजहें और इस साल रिलीज फिल्मों-ओटीटी शोज पर एक नजर।

'सैयारा' दर्शकों ने खूब किया पसंद

'कांतारा' साल की सबसे सफल फिल्मों में से एक

बीते कई सालों की तरह 2025 भी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए मिला-जुला रहा। कई बड़े बजट की फिल्में फ्लॉप रहीं तो कुछ छोटे बजट की फिल्में भी सक्सेसफुल रहीं। इस साल थिएटर में फिल्म देखने के संदर्भ में दर्शकों की घटती रुचि के बारे में कई प्रकार की चर्चाएं भी हुईं। सिनेमाघर मालिक सारे साल यह बहस करते रहे कि दर्शकों का थिएटर से दूर होने के पीछे का असल मुद्दा, फिल्मों का निरंतरता के साथ रिलीज न होना है। हाल के वर्षों में सात फिल्मों ने 500 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की, जिससे सिद्ध होता है कि अच्छी फिल्मों की मांग अब भी बहुत है। लेकिन जब एक के बाद दूसरी रिलीज में बहुत फासला बढ़ जाता है, तो दर्शकों की सिनेमाघर में आने की दिलचस्पी कम हो जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर फिल्म निरंतरता के साथ रिलीज हों तो कंडीशन सुधर सकती है। कई वितरकों का तर्क है कि अधिक टैक्स के कारण टिकट्स के दाम बढ़ गए हैं, जिससे दर्शक सिनेमाघरों की तरफ कदम नहीं बढ़ा रहे हैं।

'धुरंधर' रही साल की सर्वाधिक सफल फिल्म

बदल रही दर्शकों की पसंद: चेन्नई के एक कार्यक्रम में अभिनेता कमल हासन ने कहा, 'आज क्षेत्रीय, नया राष्ट्रीय बन गया है और देशज, नया अंतरराष्ट्रीय। जो कहानियां मदुरै, मालाप्पुरम, मांड्या या मछलीपट्टनम में जन्म ले रही हैं, वह अब क्षेत्रीय सिनेमा नहीं है, वे राष्ट्रीय सांस्कृतिक घटनाएं हैं। एक फिल्म जिसकी जड़ें तटीय कर्नाटक में हैं जैसे 'कांतारा', पूरे देश में पसंद की जाती है।' भारतीय मनोरंजन के बदलते लैंडस्केप और ओटीटी की बढ़ती प्रासंगिकता के बारे में हासन का कहना है, 'भारत का मीडिया और मनोरंजन बदल रहा है। आज की कहानियां वास्तव में दर्शक के साथ यात्रा करती हैं।'

नहीं चला कोई स्पेशल जॉनर: इस साल दर्शकों द्वारा पसंद की गई फिल्मों की बात करें तो हॉरर जॉनर ने प्रभाव अवश्य छोड़ा, लेकिन किसी विशेष जॉनर ने सिनेमा में राज नहीं किया। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में हॉलीवुड की अलग-अलग जॉनर की फिल्में देश के विभिन्न हिस्सों में रिलीज की गईं, लेकिन अतीत की तरह किसी खास जॉनर- हॉरर, ड्रामा या सुपरहीरो ने सफलता की गारंटी नहीं दी। आज दर्शक बहुत अधिक चूजी हो गए हैं और सिनेमाघर में तभी जाते हैं, जब फिल्म उनकी उम्मीदों के अनुरूप हो। इस नजरिए से 'इंटरस्टेलर' के री-रिलीज को देख सकते हैं, जो भारत में 2025 में सबसे अधिक कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्म बनी और नई रिलीज से भी आगे निकल गई। 'इंटरस्टेलर' के अतिरिक्त जिन ग्लोबल फिल्मों को इस साल पसंद किया गया वे हैं, 'एफ1,' 'जुरासिक वर्ल्ड', 'मिशन इंपॉसिबल', 'द कांजुरिंग 4', 'डेमन स्ल्येर' और 'फाइनल डेस्टिनेशनः ब्लडलाइंस।'

इस साल रिलीज सफल फिल्में: बात अगर इस साल रिलीज देश में बनी सफल फिल्मों की करें तो 'कांताराः ए लीजेंड चैप्टर 1' भारतीय दर्शकों की सबसे पसंदीदा फिल्म बनी। इस फिल्म को 6 लाख लोगों ने दोबारा देखा। एडवांस बुकिंग की बात करें तो 'कुली' फिल्म की 2.4 मिलियन सीटें पहले से रिजर्व की गईं। अन्य फिल्में, जिन्हें दर्शकों ने इस साल खूब पसंद किया वो थीं, 'छावा', 'सैयारा', 'महावतार नरसिम्हा', 'लोखा', 'थुदारुम', 'वॉर-2', 'सितारे जमीन पर' और 'धुरंधर'।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन: बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो दशहरे के सप्ताहंत पर सबसे ज्यादा फिल्में देखी गईं। उस दौरान 6.3 मिलियन टिकट बिके, जो फिल्में अक्टूबर 2025 में रिलीज हुईं, उन्होंने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1,669 करोड़ रुपए की कमाई की। जनवरी से अक्टूबर 2025 तक कुल मिलाकर 11,077 करोड़ रुपए की कमाई हुई, जोकि 2024 की इसी अवधि की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक रही। अभी तक सबसे अधिक कमाई (735 करोड़ रूपए) 'कांताराः ए लीजेंड चैप्टर 1' ने की। हालांकि 'धुरंधर', बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बेस पर 'कांतारा' को भी पीछे छोड़ कर इस साल की सबसे अधिक कमाई वाली फिल्म बन गई है।

री-रिलीज फिल्में भी की गईं पसंद: इस साल बॉक्स ऑफिस पर पुरानी री-रिलीज फिल्मों का भी बोलबाला रहा। इन फिल्मों ने नॉस्टैल्जिया की वजह से दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। इस सिलसिले में हैदराबाद भारत का री-रिलीज कैपिटल रहा। 'ये जवानी है दीवानी', 'सनम तेरी कसम', 'सालार', 'आदू' और 'रामाबनम' जैसी टॉप थ्रोबैक फिल्में सबसे सफल रहीं। *

टॉप ट्रेंडिंग ओटीटी शोज

बीते कुछ वर्षों में एंटरटेनमेंट की एक समानांतर दुनिया विकसित हुई है। इन दिनों थिएटर में रिलीज फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी शोज को भी दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड', 'ब्लैक वारंट', 'पाताल लोक (सीजन 2)', 'पंचायत (सीजन 4)', 'मंडाला मर्डर्स', 'खौफ', 'स्पेशल ऑप्स (सीजन 2)', 'खाकी : द बंगाल चैप्टर', 'द फैमिली मैन (सीजन 3)' और 'क्रिमिनल जस्टिसः ए फैमिली मैटर' जैसे ओटीटी शोज को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

दर्शकों को भाया 'द फैमिली मैन' (सीजन 3)